खबर संक्षेप

छात्रों ने चलाया जागरूकता अभियान

शहडोल। रेलवे क्रॉसिंग पर हादसों को रोकने के लिए आज पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने आरपीएफ और रेल प्रशासन के साथ मिलकर एक अनूठा जागरूकता अभियान चलाया। समपार फाटक बंद रहने के दौरान उसे पार न करने की कसम खाते हुए युवाओं ने राहगीरों को पंपलेट बांटे और समझाइश दी। इस मौके पर आरपीएफ थाना प्रभारी विनोद कुमार तिवारी, एएसआई शुभंकर सिंह, मंडल यातायात निरीक्षक आर.एस. मीणा, मुख्य लोको निरीक्षक एम.एस. मराबी और मुख्य स्टेशन प्रबंधक बी.एल. मीणा सहित रेल सुरक्षा अमले ने लोगों की काउंसलिंग की। अधिकारियों ने दो टूक समझाया कि बंद फाटक को पार करना जानलेवा है, नियमों का पालन कर खुद को और परिवार को सुरक्षित रखें।

6 आरक्षकों को मिला कार्यवाहक प्रधान आरक्षक का प्रभार

शहडोल। पुलिस मुख्यालय भोपाल के दिशा-निर्देशों के तहत शहडोल जिले में रिक्त प्रधान आरक्षक (जीडी) के पदों पर बड़ी कमान सौंपी गई है। विभाग ने तय प्रक्रिया के तहत योग्यता सूची के आधार पर जिले के 6 पात्र आरक्षकों को कार्यवाहक प्रधान आरक्षक का प्रभार देकर प्रमोट किया है। पदोन्नति पाने वाले जांबाजों में उमेश राठौर चौकी केशवाही, अनिराज सिंह व सुजय कुमार मिश्रा रक्षित केंद्र, शोभनाथ यादव थाना पपौंध, रामकरण कोल थाना जयसिंहनगर और गया प्रसाद उद्दे थाना यातायात शामिल हैं। आदेश के मुताबिक, इन सभी पुलिसकर्मियों को उनकी वर्तमान पदस्थापना वाली जगहों पर ही कार्यवाहक प्रधान आरक्षक के रूप में तैनात किया गया है।

बिजौरी और नरवार में 310 घन मीटर अवैध स्टॉक पर चला जेसीबी

शहडोल। जिले की तहसील सोहागपुर के ग्राम नरवार और बिजौरी में रेत के अवैध उत्खनन व परिवहन की लगातार मिल रही शिकायतों के बाद, कलेक्टर के निर्देश पर खनिज विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। खनिज अधिकारी के मार्गदर्शन में रविवार को खनिज निरीक्षक के दल ने जब बिजौरी और नरवार का औचक निरीक्षण किया, तो वहां रेत माफिया की बड़ी साजिश का पर्दाफाश हुआ। माफियाओं ने बरसात के दिनों में ऊंचे दामों पर बेचने के लिए शासकीय भूमि पर जगह-जगह रेत का भारी स्टॉक जमा कर रखा था। बिजौरी की पुरानी बैगा कॉलोनी में लगभग 200 घन मीटर और अन्य स्थानों पर 110 घन मीटर, यानी कुल 310 घन मीटर रेत डंप की गई थी। खनिज विभाग की टीम ने तत्काल मौके पर जेसीबी बुलवाई और सभी भंडारण स्थलों पर रेत में मिट्टी मिलाकर उसे पूरी तरह नष्ट कर दिया। कार्रवाई के दौरान मौके पर कोई वाहन या आरोपी हाथ नहीं आया। आसपास के लोगों ने भी खौफ के कारण डंपरकर्ताओं के नाम बताने से परहेज किया, जिसकी जांच विभाग कर रहा है। चोरी रोकने के लिए अब खनिज, पुलिस और वन विभाग की संयुक्त टीमें नदी तटीय इलाकों की सतत निगरानी कर रही हैं।

14 जून को आयोजित होगा भव्य निरंकारी बाल संत समागम

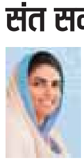

शहडोल। संत निरंकारी मिशन के तत्वावधान में आगामी 14 जून 2026, रविवार को शहडोल में एक भव्य निरंकारी बाल संत समागम का आयोजन होने जा रहा है। आत्म मंथन के मुख्य संदेश के साथ आयोजित होने वाले इस दिव्य भक्ति उत्सव का उद्देश्य बच्चों में आध्यात्मिक चेतना जगाना और उन्हें नैतिक मूल्यों से जोडना है। यह कार्यक्रम सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के पावन आशीर्वाद से आयोजित किया जा रहा है, जिसका मूल सार सतगुरु ही आदर्श, सतगुरु ही आधार है।

शाम 4 बजे से सजेगा आध्यात्मिक मंच- सीधी जोन-23 ए के अंतर्गत आने वाले इस विशेष समागम का आयोजन बाणगंगा मेला मैदान रोड, होटल अमन के पास स्थित रुद्राक्ष पैलेस में किया जाएगा।

फूलों की वर्षा के बीच लौटीं डॉ. प्रियंका, राष्ट्रीय मंच पर शहडोल का बढ़ाया मान

टिस्का मिसेज इंडिया 2026 में सेकंड रनर-अप बनीं पैथोलॉजिस्ट चिकित्सक

दो बच्चों की मां होकर भी जुनून और मेहनत से हासिल की राष्ट्रीय पहचान

छोटे से आदिवासी अंचल शहडोल की बेटी और बहू डॉ. प्रियंका प्रजापति ने राष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा का परचम लहराते हुए टिस्का मिसेज इंडिया 2026 की गोल्ड कैटेगरी में सेकंड रनर-अप का खिताब हासिल किया है। इस उपलब्धि के साथ शहडोल लौटने पर उनका भव्य स्वागत हुआ। फूलों की वर्षा, माल्यार्पण और बधाइयों के बीच शहर ने अपनी इस बेटी की सफलता का उत्सव मनाया।

शहडोल। श्रीराम कॉलोनी निवासी वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. विमल प्रजापति की पत्नी एवं पैथोलॉजिस्ट डॉ. प्रियंका प्रजापति ने यह साबित कर दिया है कि सपनों की कोई उम्र नहीं होती और न ही जिम्मेदारियां किसी लक्ष्य की राह में बाधा बन सकती हैं। चिकित्सकीय सेवा, पारिवारिक दायित्व और दो बच्चों की परवरिश के बीच समय निकालकर उन्होंने राष्ट्रीय स्तर की सौंदर्य एवं व्यक्तित्व प्रतियोगिता में हिस्सा लिया और देशभर से आई प्रतिभागियों के बीच अपनी अलग पहचान बनाई। उनकी उपलब्धि न केवल शहडोल बल्कि पूरे आदिवासी संभाग के लिए गौरव का विषय बन गई है। शहर में उनकी सफलता को लेकर उत्साह का वातावरण है और लोग इसे महिला सशक्तिकरण की एक प्रेरक मिसाल मान रहे हैं।

फूलों से हुआ भव्य स्वागत

टिस्का मिसेज इंडिया 2026 में शानदार सफलता हासिल कर जब डॉ. प्रियंका शहडोल पहुंचीं तो उनके स्वागत में लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा था। शहरवासियों, मित्रों, शुभचिंतकों और सामाजिक संगठनों ने उनका गर्मजोशी से अभिनंदन किया। फूल-मालाओं से स्वागत किया गया और उन पर पुष्पवर्षा की गई। श्रीराम कॉलोनी में भी उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। लोगों ने इसे पूरे जिले के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया। महिलाओं और युवतियों ने विशेष रूप से उनकी सफलता को प्रेरणा का स्रोत बताते हुए कहा कि सीमित संसाधनों और छोटे शहर में रहकर भी बड़े सपने पूरे किए जा सकते हैं।

डॉक्टर, मां और विजेता भी

डॉ. प्रियंका की सफलता इसलिए भी विशेष मानी जा रही है क्योंकि वे केवल एक प्रतियोगी नहीं बल्कि एक सफल चिकित्सक, शिक्षिका, पत्नी और दो बच्चों की मां भी हैं। चिकित्सा क्षेत्र की व्यस्तताओं के बावजूद उन्होंने अपने सपने को जीवित रखा। उनका कहना है कि स्वयं से प्रेम करना, अपनी क्षमताओं पर विश्वास रखना और खुद को साबित करने का साहस ही उनकी सबसे बड़ी प्रेरणा रहा। वे नियमित रूप से चिकित्सा सेवाएं देने के साथ परिवार की जिम्मेदारियां निभाती हैं और इसी बीच उन्होंने अपनी तैयारी जारी रखी। यह उपलब्धि उन हजारों महिलाओं के लिए संदेश है जो जिम्मेदारियों के कारण अपने सपनों को पीछे छोड़ देती हैं।

बचपन का सपना हुआ साकार

डॉ. प्रियंका बताती हैं कि सौंदर्य प्रतियोगिताओं में भाग लेने की इच्छा उनके मन में वर्षों से थी। टीवी, पत्रिकाओं और विभिन्न मंचों पर ऐसी प्रतियोगिताएं देखकर अक्सर उनके मन में विचार आता था कि वे भी एक दिन ऐसे मंच पर अपनी पहचान बनाएंगी। सोशल मीडिया पर प्रतियोगिता का विज्ञापन देखने के बाद उन्होंने जानकारी जुटानी शुरू की और धीरे-धीरे इस सफर का हिस्सा बन गईं। यह उनका पहला प्रयास था और पहले ही प्रयास में उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर दूसरा स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा दिया। उनका मानना है कि यदि मन में विश्वास हो तो कोई भी सपना असंभव नहीं होता।

ब्यूटी विद ब्रेन की बनी मिसाल

प्रतियोगिता के दौरान डॉ. प्रियंका ने केवल सौंदर्य ही नहीं बल्कि ज्ञान, आत्मविश्वास, व्यक्तित्व और सामाजिक सोच का भी प्रभावशाली प्रदर्शन किया। उनका स्पष्ट लक्ष्य ऐसे मंचों के माध्यम से भारत का प्रतिनिधित्व करना और महिलाओं के स्वास्थ्य, आत्मनिर्भरता तथा आत्मविश्वास के संदेश को समाज तक पहुंचाना है। वे मानती हैं कि वास्तविक सुंदरता आत्मविश्वास, संवेदनशीलता और समाज के प्रति सकारात्मक सोच में निहित होती है। यही कारण है कि उनकी सफलता को 'ब्यूटी विद ब्रेन' की सशक्त मिसाल के रूप में देखा जा रहा है।

देशभर की प्रतिभाओं का राष्ट्रीय मंच

टिस्का मिस एंड मिसेज इंडिया का वर्ष 2026 में पाँचवां सीजन नई दिल्ली के लीला एम्बियंस होटल में आयोजित किया गया। इस प्रतिष्ठित मंच पर मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, केरल, महाराष्ट्र, हरियाणा, दिल्ली, गुरुग्राम, मुंबई समेत देश के विभिन्न राज्यों और महानगरों से प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में अश्मिता रे (कोलकाता), डॉ. काव्या (केरल), डॉ. प्रियंका प्रजापति (शहडोल), जूडी सैमुअल (गुरुग्राम) और पाखी सिन्हा (मुंबई) जैसी प्रतिभागियों ने अपनी छाप छोड़ी। अभिनेत्री मुग्धा गोडसे सेलिब्रिटी जज रहीं, जबकि अभिनेता सचिन खुराना ने मंच संचालन किया। महिलाओं के आत्मविश्वास, व्यक्तित्व और नेतृत्व क्षमता को राष्ट्रीय पहचान दिलाने वाले मंच के रूप में टिस्का पेजेंट्स लगातार पांच वर्षों से आयोजन कर रहा है।

पति बने सबसे बड़े प्रेरणास्रोत

डॉ. प्रियंका अपनी इस उपलब्धि का महत्वपूर्ण श्रेय अपने पति डॉ. विमल प्रजापति को देती हैं। उनका कहना है कि जब उन्होंने प्रतियोगिता में भाग लेने की इच्छा जाहिर की तो डॉ. विमल ने हर कदम पर उनका उत्साह बढ़ाया। व्यस्त चिकित्सकीय कार्यक्रम के बावजूद वे उनके साथ प्रतियोगिता स्थल तक गए और पूरी यात्रा के दौरान उनका मनोबल बनाए रखा। डॉ. प्रियंका के अनुसार, उनके पति हमेशा कहते थे कि जीत और हार बाद की बात है, पहले प्रयास करना जरूरी है। इसी सकारात्मक सोच ने उन्हें हर चुनौती से लडने का आत्मविश्वास दिया और अंततः सफलता उनके कदम चूम गई।

महिलाओं के लिए बनी प्रेरणा

टिस्का मिसेज इंडिया 2026 में सेकंड रनर-अप का खिताब जीतकर डॉ. प्रियंका प्रजापति आज शहडोल ही नहीं बल्कि पूरे आदिवासी संभाग और प्रदेश की महिलाओं के लिए प्रेरणा का प्रतीक बन चुकी हैं। उन्होंने यह साबित किया है कि सपनों को पूरा करने के लिए केवल दृढ़ निश्चय, मेहनत और आत्मविश्वास की आवश्यकता होती है। उनकी यह उपलब्धि नारी शक्ति, आत्मनिर्भरता और संकल्प की नई कहानी लिखती है। राष्ट्रीय मंच पर शहडोल का नाम रोशन करने वाली डॉ. प्रियंका अब महिलाओं के स्वास्थ्य, आत्मसम्मान और सशक्तिकरण के संदेश को व्यापक स्तर पर पहुंचाने के अपने मिशन को आगे बढ़ाना चाहती हैं। उनकी सफलता ने यह संदेश दिया है कि यदि हौसले बुलंद हों तो छोटे शहरों से निकलकर भी राष्ट्रीय मंचों पर इतिहास रचा जा सकता है।

प्राचीन हनुमान मंदिर की दानपेटी तोड़कर नकदी साफ

झूलेलाल मंदिर के बाद फिर गर्माया माहौल पुलिस की गश्त पर उठे गंभीर सवाल, श्रद्धालुओं में भारी आक्रोश

शहडोल। जिला मुख्यालय के सोहागपुर थाना क्षेत्र में चोरों और असामाजिक तत्वों के हौसले इस कदर बुलंद हो चुके हैं कि अब उन्हें न तो कानून का खौफ रहा और न ही भगवान का डर। बदमाशों ने इस बार सीधे सनातन आस्था के केंद्र पर चोट की है। सोहागपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत त्रिदेव होटल के पास स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर में दोपहर के सन्नाटे का फायदा उठाकर अज्ञात नकाबपोशों ने मंदिर की दानपेटी तोड़ डाली और उसमें रखी पूरी नकदी समेटकर रफूचक्कर हो गए। इस शर्मनाक वारदात के बाद से पूरे इलाके के श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों में भारी आक्रोश उबल रहा है।

एक महीने का चढ़ावा ले उड़े शातिर चोर

जानकारी के मुताबिक, यह वारदात बीते 2 जून की दोपहर की है, जब मंदिर के पट बंद थे। इसी सूनेपन का फायदा उठाकर शातिर चोरों ने मंदिर परिसर में घुसकर धावा बोल दिया। बताया जा रहा है कि मंदिर की दानपेटी पिछले करीब एक महीने से नहीं खोली गई थी, जिसके कारण उसमें श्रद्धालुओं द्वारा श्रद्धा से अर्पित की गई भारी-भरकम राशि जमा थी, जिसे चोरों ने साफ कर दिया। हैरान करने वाली बात यह है कि पुजारी के अकेले होने के कारण मामले की औपचारिक शिकायत थाने नहीं पहुंच सकी थी। जब एक स्थानीय पत्रकार ने मौके पर पहुंचकर पुजारी से बात की, तब जाकर इस सनसनीखेज चोरी का भंडाफोड़ हुआ।

झूलेलाल मंदिर के बाद अब बजरंगबली के दर पर दुस्साहस!

स्थानीय नागरिकों ने पुलिसिया गश्त की पोल खोलते हुए कहा कि सोहागपुर में धार्मिक स्थल भी सुरक्षित नहीं बचे हैं। इससे पहले भी शहर के प्रतिष्ठित झूलेलाल मंदिर में दानपेटी तोड़कर चोरी की वारदात हो चुकी है, लेकिन पुलिस के हाथ अब तक खाली हैं। लगातार हो रही इन वारदातों से साफ है कि पुलिस का खौफ पूरी तरह खत्म हो चुका है। श्रद्धालुओं ने सोहागपुर थाना प्रभारी से मांग की है कि तत्काल मामले को संज्ञान में लेकर त्रिदेव होटल और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जाएं और आस्था के इन लुटेरों को सलाखों के पीछे भेजा जाए। यदि जल्द ही इन चोरों की गिरफ्तारी नहीं हुई, तो उग्र जनआंदोलन की रूपरेखा तैयार की जाएगी।

शिक्षा के साथ ध्यान का समन्वय ही गढ़ता है संवेदनशील समाज: प्रो. रामशंकर

शहडोल।

पिरामिड ध्यान जगत शहडोल के तत्वावधान में पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. रामशंकर के निवास पर ध्यान साधना एवं आध्यात्मिक संगोष्ठी का भव्य आयोजन किया गया। सामूहिक हनुमान चालीसा के पाठ से शुरू हुए इस कार्यक्रम में शहर के कई प्रतिष्ठित साधकों और आध्यात्मिक चिंतकों ने शिरकत की। इस अवसर पर कुलगुरु प्रो. रामशंकर ने ध्यान की महत्ता, उसकी वैज्ञानिकता और जीवन में इसके व्यावहारिक उपयोगों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने उपस्थित साधकों को ध्यान की सूक्ष्म बारीकियां समझाते हुए इसका व्यावहारिक अभ्यास भी कराया। अपने व्याख्यान में कुलगुरु ने कहा कि आज के भौतिकवादी युग में मनुष्य सुख-सुविधाओं के पीछे भाग रहा है, लेकिन मानसिक शांति और आंतरिक प्रसन्नता कहीं खो गई है। ऐसे में ध्यान ही खुद से जुडने और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने का सबसे सटीक माध्यम है। ध्यान केवल पूजा-पाठ नहीं, बल्कि स्वस्थ और सफल जीवन की आधारशिला है। व्याख्यान के बाद कुलगुरु ने साधकों की जिज्ञासाओं का समाधान किया, जिससे पूरा माहौल आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर हो गया। इस गरिमामयी आयोजन में मुख्य रूप से गौरी शंकर गुप्ता, जे.पी. सिंह, के.पी. महेन्द्रा, के.पी. शर्मा, दिनेश अग्रवाल, बलदेव शर्मा, सुरेश गुप्ता, वीरेन्द्र तिवारी, नामदेव जी, के.बी. सिंह, शिव दयाल गुप्ता, डॉ. जी.डी. सिंह, कमल जायसवाल, डॉ. ए.के. श्रीवास्तव, सी.के. रजक, श्रीमती वर्षा तनेजा एवं पार्थ तनेजा सहित भारी संख्या में प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे। अंत में सभी ने ध्यान को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

इनका कहना है...

भारतीय ज्ञान परंपरा में ध्यान का विशेष स्थान है। आज आधुनिक विज्ञान भी मानता है कि नियमित ध्यान से तनाव दूर होता है और एकाग्रता बढ़ती है। यदि हमारी शिक्षा के साथ ध्यान, संस्कार और आत्मानुशासन का समन्वय हो जाए, तो एक संवेदनशील, नैतिक और समृद्ध समाज का निर्माण संभव है।

प्रो. रामशंकर
कुलगुरु, पं. शंभूनाथ शुक्ला विवि

महिला की गर्दन पर वार कर उतारा था मौत के घाट

लेदरा हत्याकांड का 24 घंटे में खुलासा

शहडोल।

जिले के गोहपारू थाना क्षेत्र के ग्राम लेदरा में हुई महिला की सनसनीखेज हत्या के मामले में गोहपारू पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए महज 24 घंटे के भीतर अंधे कत्ल का पर्दाफाश कर दिया है। पुलिस ने घेराबंदी कर हत्या के शातिर आरोपी को दबोचकर सलाखों के पीछे भेज दिया है। कानून के हाथ से बचकर भाग रहे हत्यारे को दबोचने में पुलिस की इस त्वरित और सख्त कार्रवाई की पूरे इलाके में सराहना हो रही है। वारदात की शुरुआत बीती 6 जून को हुई, जब ग्राम लेदरा में एक घर के भीतर महिला की बेरहमी से हत्या करने की खबर फैली। सूचना मिलते ही गोहपारू पुलिस बिना वक्त गंवाए

दल-बल के साथ सीधे मौके पर पहुंची। कमरे के भीतर का मंजर खौफनाक था, मृतिका माया यादव का शव जमीन पर पड़ा हुआ था और उसकी गर्दन पर धारदार व गंभीर चोट के निशान थे, जो बयां कर रहे थे कि उसकी हत्या बेहद बेरहमी से की गई है। पुलिस ने तत्काल मर्ग कायम कर शव को कब्जे में लिया और कत्ल की गुत्थी सुलझाने में जुट गई। मामले की संवेदनशीलता और संगीनता को देखते हुए शहडोल पुलिस अधीक्षक ने तुरंत कड़े निर्देश जारी किए। एसपी के मार्गदर्शन में एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। पुलिस ने अपने मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया और संदेही की तलाश में ताबड़तोड़ दबिश देना शुरू कर दिया। सघन सर्चिंग और सटीक इनपुट के आधार पर पुलिस ने अगले ही दिन 7 जून को आरोपी कामता उर्फ लाला यादव पिता प्रेमलाल यादव, निवासी लेदरा को धर दबोचा। पुलिसिया पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म उगल दिया, जिसके बाद पुलिस ने हत्या का केस (धारा 103(1) बीएनएस) दर्ज कर वैधानिक कार्यवाही पूरी की और आरोपी का मेडिकल कराकर उसे सीधे न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। इस खौफनाक कत्ल का महज 24 घंटे में पर्दाफाश करने में गोहपारू थाना प्रभारी निरीक्षक राजकुमार मिश्रा के कुशल नेतृत्व सहित सउनि भागचन्द, सउनि विद्यासागर, प्र.आर. राकेश शुक्ला, आरक्षक अजीत कुमार यादव, राजकुमार, दीपक साहू, मंगल तोमर और संजय बैगा की भूमिका रही।

छत्तीसगढ़ के जनकपुर से दस्तयाब हुई अपहृत नाबालिग

जैतपुर। नाबालिग बच्चियों को शिकार बनाने वाले अपराधियों के खिलाफ जैतपुर पुलिस ने कड़ा रुख अपनाते हुए छत्तीसगढ़ में बड़ी कार्रवाई की है। 28 मई को घर से लापता हुई 17 वर्षीय नाबालिग को पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए 8 जून को जनकपुर (छ.ग.) बस स्टैंड से सुरक्षित दस्तयाब कर लिया है। परिजनों ने शिकायत दर्ज कराई थी कि कोई अज्ञात आरोपी उनकी बेटी को बहला-फुसलाकर अगवा कर ले गया है। एसपी के कड़े रुख के बाद हरकत में आई जैतपुर पुलिस ने जाल बिछाकर पीड़िता को बरामद किया। इस सराहनीय कार्रवाई में जैतपुर थाना प्रभारी के नेतृत्व में सउनि इन्द्रजीत मरावी, म.आर. मालतीलता पटेल और आरक्षक विजय महरा की भूमिका रही।

संभाग के 80 माध्यमिक शिक्षकों की परिवीक्षा अवधि समाप्त

शहडोल। शहडोल संभाग के शिक्षा विभाग में कार्यरत 80 पात्रताधारी माध्यमिक शिक्षकों के लिए बड़ी राहत की खबर है। संयुक्त संचालक लोक शिक्षण शहडोल उमेश कुमार धुर्वे द्वारा उनकी परिवीक्षा अवधि समाप्त कर संविलयन आदेश जारी कर दिए गए हैं। इससे वर्ष 2021 से 2023 के बीच नियुक्त हुए उन शिक्षकों का लंबा इंतजार समाप्त हो गया है, जिन्होंने अपनी तीन वर्ष की सेवाकाल अवधि सफलतापूर्वक पूर्ण कर ली थी।मध्य प्रदेश शिक्षक संघ शहडोल के अध्यक्ष लालजी तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि संयुक्त संचालक श्री धुर्वे ने इस मामले में विशेष रुचि लेते हुए आवश्यक प्रशासनिक प्रक्रियाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराया। उनकी पहल पर समय सीमा के भीतर सभी औपचारिकताएं पूर्ण कर संविलयन आदेश जारी किए गए, जिससे पात्र शिक्षकों को उनका वैधानिक अधिकार मिल सका। संविलयन प्रक्रिया में शत-प्रतिशत पारदर्शिता और सटीकता सुनिश्चित करने के लिए संयुक्त संचालक ने संभाग के तीनों जिलों—शहडोल, उमरिया और अनूपपुर—के जिला शिक्षा अधिकारियों से लिखित प्रमाण-पत्र भी मांगा है। इसमें यह सुनिश्चित करने को कहा गया है कि उनके जिले में कोई भी पात्र लोकसेवक संविलयन से वंचित न रह जाए। मध्य प्रदेश शिक्षक संघ ने संयुक्त संचालक उमेश कुमार धुर्वे के इस निर्णय की सराहना करते हुए इसे संवेदनशील और अनुकरणीय कदम बताया है। संघ का कहना है कि इस आदेश से लाभान्वित शिक्षक अब और अधिक उत्साह, ऊर्जा तथा समर्पण के साथ शैक्षणिक गुणवत्ता को मजबूत करें।

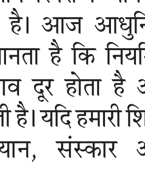

सीएमओ ने जमुआ एवं कोटमा स्थित कचरा प्रसंस्करण केंद्रों का किया निरीक्षण

शहडोल। मुख्य नगर पालिका अधिकारी शहडोल निशांत सिंह ठाकुर ने जमुआ स्थित कचरा प्रसंस्करण केंद्र तथा कोटमा स्थित एमआरएफ (मैटेरियल रिकवरी फैसिलिटी) सेंटर एवं निर्माणाधीन नवीन कचरा प्रसंस्करण केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने केंद्र में संचालित विभिन्न गतिविधियों का अवलोकन करते हुए कचरे के संग्रहण, परिवहन, प्रसंस्करण एवं निस्तारण कार्य को निर्धारित मानकों एवं स्वच्छता प्रोटोकॉल के अनुरूप संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने परिसर में वाहनों के सुचारु आवागमन, साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था तथा कचरा प्रबंधन संबंधी समस्त गतिविधियों के प्रभावी संचालन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रदान किए। उन्होंने संबंधित ठेकेदार को गुणवत्ता एवं निर्धारित समय-सीमा का पालन करते हुए निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए, जिससे क्षेत्र की ठोस अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाया जा सके। निरीक्षण के दौरान स्वच्छता निरीक्षक अनिल महोबिया, उपयंत्री पुनीत त्रिपाठी सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर ऊर्जा नगरी चचाई में किया गया साइकिल रैली का आयोजन

चचाई। 7 जून को विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर ऊर्जा नगरी चचाई में क्रीड़ा भारती महाकौशल प्रांत के आवाहन पर साइकिल रैली का आयोजन किया गया। रैली की शुरुआत इरेक्टर हॉस्टल प्रांगण चचाई से आत्मा गवर्निंग बोर्ड की सदस्या श्रीमती रश्मि खरे द्वारा रैली में साइकिल चलाकर की गई। यह साइकिल रैली चचाई के विभिन्न कॉलोनी एवं बाजार से गुजरती हुई न्यू डबल डी शंकर मंदिर प्रांगण में जाकर समाप्त हुई। इस रैली के माध्यम से समाज को अपनी दैनिक जीवन में स्वस्थ शरीर हेतु एवं प्रदूषण को नियंत्रण में रखने तथा ईंधन की बचत करने हेतु साइकिल चलाने का आवाहन एवं पर्यावरण संरक्षण करने का संकल्प लेने हेतु आग्रह किया गया। साइकिल रैली के समापन में आरोग्य भारती विभाग संयोजक रुद्र शरण मिश्रा द्वारा स्वस्थ शरीर के लिए साइकिल चालन अपनी दैनिक आदतों में अपनाने हेतु एवं पर्यावरण संरक्षण गतिविधि जिला संयोजक अशोक खरे द्वारा साइकिल चालन पर होने वाले वाले लाभ एवं पर्यावरण संरक्षण हेतु किए जाने वाले कार्यों पर प्रकाश डाला गया। अंत में क्रीड़ा भारती जिला अनूपपुर के कोषाध्यक्ष संजय जोगी द्वारा साइकिल रैली में भाग लेने वाले सभी को धन्यवाद देते हुए आभार व्यक्त किया गया।

सेवानिवृत्त श्रमिकों के हक की लड़ाई में आगे आए विजय सिंह

बदरा/जमुना। कोयला खदान श्रमिक संगठन, जमुना-कोतमा क्षेत्र के अध्यक्ष विजय सिंह ने सेवानिवृत्त श्रमिकों के हितों को लेकर महत्वपूर्ण पहल करते हुए महाप्रबंधक प्रभाकर राम त्रिपाठी को पत्र सौंपा है पत्र में जुलाई 2021 से जून 2023 के बीच सेवानिवृत्त हुए श्रमिकों की लंबित ग्रेच्युटी डिफरेंस राशि का भुगतान नए वेतनमान के अनुसार किए जाने की मांग की गई है। विजय सिंह ने कहा कि 11वें वेतन समझौते के तहत सेवानिवृत्त हुए कई श्रमिकों को ग्रेच्युटी की पूरी राशि का लाभ नहीं मिल पाया है ऐसे कर्मचारियों को चिन्हित कर उनकी बकाया राशि शीघ्र भुगतान किया जाना चाहिए। उन्होंने प्रबंधन से मांग की है कि श्रमिकों के हितों को ध्यान में रखते हुए लंबित डिफरेंस राशि उनके खातों में जल्द जमा कराई जाएं। कोयला खदान श्रमिक संगठन ने इस मांग को श्रमिक हितों से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय बताते हुए जल्द सकारात्मक कार्रवाई की अपेक्षा जताई है। संगठन का कहना है कि सेवानिवृत्त कर्मियों को उनके वैधानिक अधिकार समय पर मिलना चाहिए।

दलाली, ब्लैकमेलिंग और खूनी खेल के बीच दम तोड़ता सोहागपुर एरिया

शहडोल के कोयला अंचल में सिंडिकेट राज

शहडोल। जिले का सोहागपुर कोयला अंचल, इस समय एक बेहद संवेदनशील और खतरनाक दौर से गुजर रहा है। यहां संचालित निजी ठेका कंपनियों पर राजनीतिक रसूखदारों, कथित यूनियन नेताओं और सामाजिक संगठनों का चोला ओढ़े ब्लैकमेलरों का दबाव इस कदर बढ़ गया है कि अब यह सीधे तौर पर कानून-व्यवस्था के लिए एक गंभीर चुनौती बन चुका है। रोजगार दिलाने के नाम पर युवाओं का आर्थिक शोषण, अवैध वसूली और ठेकों में जबरन हिस्सेदारी का यह काला खेल अब केवल धमकियों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि गोलीकांड और खूनी संघर्ष में तब्दील हो चुका है।

रामपुर बटूरा मेगा प्रोजेक्ट की हिंसक चेतावनी

हाल ही में रामपुर बटूरा मेगा प्रोजेक्ट के तहत काम कर रही जय अम्बे कंपनी में हुआ खूनी हादसा इस बात का जीवंत और डरावना उदाहरण है कि जब इन स्वयंभू नेताओं की दलाली और अवैध ठेकेदारी की मांगें पूरी नहीं होतीं, तो वे किस हद तक जा सकते हैं। इस मामले में पुलिस प्रशासन ने तत्परता तो दिखाई, लेकिन घटनास्थल की तकनीकी सीमा के कारण पूरा मामला अनूपपुर जिले के क्षेत्राधिकार में चला गया, जिससे शहडोल प्रशासन अपनी मुख्य जिम्मेदारी से पूरी तरह पल्ला नहीं झाड़ सकता। रामपुर बटूरा की यह घटना कोई इकलौती वारदात नहीं है, बल्कि सोहागपुर एरिया की खदानों में पनप रहे उस गहरे असंतोष और गुंडागर्दी की एक छोटी सी बानगी भर है, जो धीरे-धीरे पूरे कोयला अंचल को अपनी चपेट में ले रही है।

बकहो और आरके अर्थ मूवर्स का बढ़ता तनाव

इसी तरह का भयावह माहौल बकहो में कार्यरत आर.के. अर्थ मूवर्स कंपनी के सामने भी खड़ा कर दिया गया है, जहाँ कुछ स्थानीय रसूखदारों ने सीधे तौर पर व्यवस्था को अपने कब्जे में लेने की कोशिश की है। हालांकि इस मामले में अमलाई पुलिस की त्वरित कार्रवाई की सराहना की जानी चाहिए, जिसने लगभग 25 उपद्रवियों पर मामला कायम कर सख्त संदेश देने की कोशिश की, लेकिन इसके बावजूद वहाँ जमीनी हालात अब भी बारूद के ढेर पर बैठे हैं। यही स्थिति शारदा ओसीएम, चंदा ओसीएम और खैरा-दामिनी जैसे अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में भी लगातार बनी हुई है, जहाँ आए दिन बाहरी तत्वों द्वारा बिना किसी वजह के माहौल बिगाडऩे और लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति पैदा करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

महाप्रबंधक बी. के. जेना की कार्यप्रणाली पर सवाल

सोहागपुर एरिया में लगातार बिगड़ते इन हालातों के बीच अब एसईसीएल सोहागपुर क्षेत्र के महाप्रबंधक (जीएम) बी. के. जेना की भूमिका भी सीधे तौर पर कटघरे में खड़ी हो रही है। कोयला अंचल में इस स्तर की अराजकता और गुंडागर्दी फैलने के बावजूद प्रबंधन का इस तरह मूकदर्शक बने रहना बेहद संदेहास्पद है। बी. के. जेना को इस पूरे मामले में तत्काल कड़ा एक्शन लेना चाहिए और सोहागपुर एरिया के अंतर्गत काम कर रही सभी निजी ठेका कंपनियों को सख्त लिखित आदेश जारी करना चाहिए कि वे इन छुटभैय्ये नेताओं और कथित दलालों से पूरी तरह दूरी बनाकर रखें। जब तक शीर्ष स्तर से कंपनियों को प्रशासनिक संरक्षण और कड़े निर्देश नहीं मिलेंगे, तब तक इन अवैध गतिविधियों पर लगाम लगाना मुमकिन नहीं होगा।

युवाओं की गाढ़ी कमाई पर डाका डालती दलाली

इस पूरे खेल का सबसे घिनौना और अनैतिक पहलू यह है कि इन स्वयंभू नेताओं द्वारा स्थानीय बेरोजगार युवाओं को गुमराह कर उनका आर्थिक शोषण किया जा रहा है। रोजगार दिलाने के नाम पर युवाओं की गाढ़ी कमाई से 10 प्रतिशत से लेकर 25 प्रतिशत तक की मासिक कमीशनखोरी यानी कट मनी बांधी जा रही है। हालात इतने बदतर हो चुके हैं कि यदि किसी स्थानीय कर्मचारी को महीने में 30 से 32 हजार रुपये वेतन मिल रहा है, तो ये दलाल उसकी जेब से 5 हजार से लेकर 10 हजार रुपये महीना जबरन अपनी जेब भरने के लिए वसूल रहे हैं। जो युवा इस अवैध वसूली का विरोध करते हैं, उन्हें डराया-धमकाया जाता है और उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जाता है।

कंपनियों की शुरुआती नरमी और प्रशासनिक चूक

इस गहरे संकट के लिए निजी ठेका कंपनियों के अधिकारी भी कम जिम्मेदार नहीं हैं, जो शुरुआत में काम को गति देने और स्थानीय विवादों से बचने के लिए इन रसूखदारों को अपने दफ्तरों में पनाह देते हैं और अनुचित लाभ देते हैं। लेकिन जब पानी सिर से ऊपर चला जाता है और दलालों की मांगें अनियंत्रित हो जाती हैं, तब जाकर कंपनियों को पुलिस और प्रशासन की याद आती है। यदि समय रहते रामपुर बटूरा और बकहो जैसी घटनाओं से सबक लेकर जीएम बी. के. जेना और जिला प्रशासन ने कड़े कदम नहीं उठाए, तो सोहागपुर एरिया की खदानों में कोई भी बड़ी निजी कंपनी काम करने का साहस नहीं जुटा पाएगी और सुरक्षा कारणों से उनका पलायन तय है।

ऊर्जा क्षेत्र पर मंडराता गंभीर संकट और समाधान

इस पूरे घटनाक्रम की गहन समीक्षा की जाए तो स्पष्ट है कि कंपनियों के बंद होने या काम छोडऩे का सीधा और घातक असर देश के ऊर्जा क्षेत्र पर पड़ेगा, क्योंकि कोयला उत्पादन ठप होने से बिजली आपूर्ति का पहिया थम जाएगा। प्रशासन और एसईसीएल प्रबंधन के लिए अब समय आ गया है कि वे इस मामले को बेहद गंभीरता से लें और केवल तात्कालिक कार्रवाई करने के बजाय नौकरी के नाम पर दलाली करने वाले इन सफेदपोश अपराधियों के नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त करें। यदि समय रहते कड़े और दंडात्मक कदम नहीं उठाए गए, तो सोहागपुर का यह समृद्ध कोयला अंचल विकास की मुख्यधारा से भटककर पूरी तरह अपराध और अराजकता के गर्त में समा जाएगा।

समय सीमा की बैठक में कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण करने दिए के निर्देश

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में समय-सीमा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीएम हेल्पलाइन सहित विभिन्न विभागों के लंबित प्रकरणों की समीक्षा की गई तथा अधिकारियों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में मुख्यमंत्री निवास, आयुक्त कार्यालय से प्राप्त आवेदनों, जनसुनवाई, न्यायालयीन प्रकरणों, मानवाधिकार संबंधी पत्रों तथा फैक्ट न्यूज मामलों की विभागवार समीक्षा की गई। कलेक्टर श्रीमती सहाय ने स्पष्ट कहा कि शिकायतों के निराकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने कहा कि आगामी जनकल्याण शिविरों के माध्यम से सभी विभाग प्राप्त आवेदनों का संवेदनशीलता के साथ शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करें। भू-अर्जन एवं भूमि पट्टा संबंधी शिकायतों के त्वरित समाधान के निर्देश सभी अनुविभागीय अधिकारियों को दिए।उन्होंने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई) विभाग को पेयजल संबंधी शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण करने को कहा। संबल योजना से जुड़ी शिकायतों के निराकरण में देरी पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कलेक्टर ने लंबित पंजीयनों की जांच कर शीघ्र कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने बताया कि राज्य शासन के निर्देशानुसार जिले में 5 जून (विश्व पर्यावरण दिवस) से 21 जून (अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस) तक विशेष अभियान संचालित किया जाएगा। इसके तहत 12 जून से 18 जून के बीच जिले के सभी विकासखंडों एवं नगरीय मुख्यालयों में जन कल्याण शिविर आयोजित किए जाएंगे।

इन शिविरों में आयुष्मान भारत योजना, आयुष्मान वय वंदना योजना, पीएम सूर्य घर योजना, पीएम स्वनिधि योजना, लखपति योजना, वीवीजी रामजी योजना सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए पात्र हितग्राहियों का पंजीयन किया जाएगा। कलेक्टर ने इन शिविरों के व्यापक प्रचार-प्रसार तथा सभी अधिकारियों एवं क्षेत्रीय कर्मचारियों को मुस्तैदी के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

घायल की जान बचाने वाले राह-वीर सरपंच सम्मानित

उमरिया। सडक़ दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को समय पर सहायता पहुंचाकर उसकी जान बचाने वाले ग्राम पठारी के सरपंच गोविंद प्रसाद गौतम को परिवहन आयुक्त, मध्यप्रदेश द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया है। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने उन्हें प्रशस्ति पत्र सौंपते हुए उनके साहसिक, मानवीय और प्रेरणादायी कार्य की सराहना की। प्राप्त जानकारी के अनुसार 16 नवंबर 2025 को हुई एक सडक़ दुर्घटना में एसडीएम अंबिकेश प्रताप सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। दुर्घटना के बाद 'गोल्डन ऑवर' के दौरान सरपंच गोविंद प्रसाद गौतम ने तत्परता दिखाते हुए घायल अधिकारी को तत्काल निकटतम अस्पताल एवं ट्रॉमा सेंटर पहुंचाने की व्यवस्था कराई। समय पर

उपचार मिलने से उनकी जान बचाई जा सकी।उनकी इस संवेदनशील और सराहनीय पहल को देखते हुए परिवहन आयुक्त, मध्यप्रदेश ने उन्हें राह-वीर सम्मान से नवाजा। साथ ही राहवीर योजना के अंतर्गत 25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि भी स्वीकृत की गई है। प्रशस्ति पत्र में उनके इस मानवीय कार्य की प्रशंसा करते हुए भविष्य में भी जनसेवा और मानवता के कार्यों में इसी तरह योगदान देने की अपेक्षा व्यक्त की गई है। इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने कहा कि सडक़ दुर्घटना में घायल व्यक्ति को समय रहते अस्पताल पहुंचाना सबसे बड़ा मानवीय कर्तव्य है। गोल्डन ऑवर के दौरान मिली सहायता किसी भी व्यक्ति को नया जीवन प्रदान कर सकती है। उन्होंने कहा कि समाज में ऐसे उदाहरण दूसरों को भी जरूरतमंदों की सहायता के लिए प्रेरित करते हैं। इस अवसर पर जिला परिवहन अधिकारी रमा दुबे उपस्थित रही।

अमरकंटक में स्वास्थ्य सेवा का अनूठा अभियान प्रत्येक रविवार लग रहा नि:शुल्क चिकित्सा शिविर

अमरकंटक। धार्मिक एवं प्राकृतिक धरोहरों से समृद्ध पवित्र नगरी अमरकंटक में स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में एक प्रेरणादायी जनकल्याणकारी पहल निरंतर संचालित की जा रही है। श्री चंद्राचार्य धर्मार्थ चिकित्सालय, अमरकंटक में प्रत्येक रविवार को आयोजित होने वाला निःशुल्क चिकित्सा शिविर क्षेत्रवासियों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। यह शिविर प्रथम हॉस्पिटल बिलासपुर के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. रजनीश पाण्डेय के नेतृत्व में तथा श्री कल्याण सेवा आश्रम अमरकंटक के सहयोग से नियमित रूप से आयोजित किया जा रहा है। इसी अवसर पर न्यूज़ लाइव अमरकंटक के दैनिक हरिभूमि जबलपुर समाचार पत्र के संवाददाता एवं मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के जिला कार्यकारी अध्यक्ष उमाशंकर पाण्डेय मुन्नू ने डॉ. रजनीश पाण्डेय का विशेष साक्षात्कार लिया। साक्षात्कार के दौरान डॉ. पाण्डेय ने ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं की आवश्यकता, निःशुल्क चिकित्सा शिविरों की महत्ता तथा जनसेवा के प्रति अपने संकल्प को विस्तार से साझा किया। डॉ. पाण्डेय ने बताया कि अमरकंटक एवं आसपास के दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी विशेषज्ञ चिकित्सकीय सेवाएं सहज रूप से उपलब्ध नहीं हो पाती हैं। ऐसे में प्रत्येक रविवार को आयोजित यह शिविर जरूरतमंद मरीजों को न केवल निःशुल्क चिकित्सा परामर्श प्रदान कर रहा है, बल्कि उन्हें बेहतर स्वास्थ्य एवं रोगों की रोकथाम के प्रति जागरूक भी बना रहा है। शिविर में सामान्य रोगों की जांच, उपचार, आवश्यक दवाओं का वितरण तथा स्वास्थ्य संबंधी मार्गदर्शन भी दिया जाता है। इस सप्ताह आयोजित शिविर में कुल 55 मरीजों का पंजीयन किया गया। शिविर में डॉ. रजनीश पाण्डेय एवं डॉ. संतोष कुमार तिवारी ने मरीजों की स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया। वहीं फार्मासिस्ट अभिषेक मिश्रा ने दवा वितरण की जिम्मेदारी संभाली तथा लैब तकनीशियन राजेश कुमार तिवारी ने आवश्यक जांच कार्य संपादित किए। शिविर के सफल संचालन में राम स्नेही नाई, सुखनंदन सिंह, प्रीतम प्रसाद, दीपक कुमार चंद्रवंशी एवं ईश्वरी पंड्राम सहित अनेक सहयोगियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। शिविर में विशेष रूप से लकवा एवं मिर्गी रोग संबंधी परामर्श एवं जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिससे मरीजों एवं उनके परिजनों को उपयोगी स्वास्थ्य जानकारी प्राप्त हुई। अस्पताल परिसर में पंजीयन, चिकित्सकीय परामर्श, जांच एवं दवा वितरण की सुव्यवस्थित व्यवस्था देखने को मिली। बड़ी संख्या में पहुंचे मरीजों ने इस सेवा का लाभ उठाया और आयोजन की सराहना की। साक्षात्कार के दौरान डॉ. रजनीश पाण्डेय ने कहा कि चिकित्सा केवल एक व्यवसाय नहीं, बल्कि मानव सेवा का सर्वोच्च माध्यम है। उन्होंने श्री कल्याण सेवा आश्रम के संतों एवं प्रबंधन की प्रशंसा करते हुए कहा कि आश्रम द्वारा जनकल्याण के लिए किए जा रहे सेवा कार्य समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। स्थानीय नागरिकों ने भी इस पहल की मुक्त कंठ से प्रशंसा करते हुए कहा कि विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता से गरीब, ग्रामीण एवं जरूरतमंद लोगों को बड़ी राहत मिल रही है। क्षेत्रवासियों का मानना है कि इस प्रकार के नियमित चिकित्सा शिविर ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। निःशुल्क स्वास्थ्य सेवा का यह अभियान केवल रोगियों के उपचार तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में सेवा, संवेदना, करुणा और मानवता के मूल्यों को भी सशक्त करने का कार्य कर रहा है। अमरकंटक में चल रही यह पहल जनसेवा के क्षेत्र में एक अनुकरणीय उदाहरण बनकर उभर रही है।

रेलवे स्टेशन सुविधाओं से कोसों दूर न शौचालय न ही पेयजल और ना ही साफ सफाई

हरिभूमि न्यूज कोतमा। कोतमा रेलवे स्टेशन मे अव्यवस्थाओ का अंबार लगा हुआ है यहां पर आज भी मूलभूत सुविधाओं का अभाव है। देखने को तो जगह जगह शौचालय बना हुआ है पर गंदगी से भरा पड़ा है। और यात्रियों को सही ढंग से पानी भी नहीं मिल पा रहा है स्टेशन में गंदगी का अंबार लगा रहता है। कोतमा रेलवे स्टेशन जहाँ मूलभूत सुविधाओं के नाम पर सिर्फ दिखावा बचा है यात्रियों के लिए किसी भी प्रकार की कोई भी व्यवस्था नहीं है और न ही पीने के लिए सही ढंग से पेय जल की व्यवस्था है। प्लेटफार्म नंबर एक में शीतल पेय के लिए टंकी बनाकर नल की टोंटी लगाई गई है लेकिन वह भी नाकाफी साबित हो रही है। स्टेशन के बाहर सुलभ शौचालय सिर्फ दिखावे के लिए बना हुआ है क्योंकि जब से निर्माण हुआ हुआ है तब यहाँ सिर्फ ताला लटका ही देखने को मिलता है। रेलवे स्टेशन पर यात्रियों का दिनभर आना जाना लगा रहता है। परंतु आने जाने वाले यात्रियों को सुलभ शौचालय की सुविधा नही मिलती न ही पीने के लिए पानी साथ ही गंदगी का अंबार लगा रहता है रेलवे प्रबंधन इस ओर अपना ध्यान आकर्षित करना उचित नही समझती है। जिसका जीता जगता उदाहरण सामने देखने को मिल रहा है। आखिर रेलवे प्रबंधन क्यो नही सुविधा मुहैया करा रही है आखिर किसकी लापरवाही की वजह से यात्रियों को मुशीबतों का सामना करना पड़ता है। जबकि यह क्षेत्र कोयलांचल क्षेत्र होने के साथ ही कोतमा नगर आर्थिक नगरी के रूप में भी जाना जाता है और प्रतिदिन हजारों की संख्या में लोगों का आना-जाना रेलवे स्टेशन पर बना रहता है सबसे ज्यादा पीने के पानी की परेशानी गरीब तपके के लोगों को होती है। प्लेटफार्म नंबर एक पर शीतल पेय की व्यवस्था जरुर की गई है लेकिन बाकी जगह प्लेटफार्म मे जो नल की टोंटियां लगाई गई है उसमें से पानी ही नही निकलता है। जिसके कारण इस भीषण गर्मी मे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

महिलाओं को होती है परेशानी

ग्रामीण क्षेत्र से यात्रा करने रेलवे स्टेशन आई महिलाओं ने बताया कि हम काम से हर दूसरे तीसरे दिन कोतमा रेलवे स्टेशन में यात्रा करने आते हैं लेकिन सबसे ज्यादा परेशानी हम लोगों को बाथरूम करने के लिए होती है स्टेशन में बने शौचालय में हमेशा गंदगी बनी रहती है। जिसके कारण हम लोगों को सबसे ज्यादा परेशानी होती है। हम लोगों के साथ छोटे-छोटे बच्चे भी रहते हैं जिन्हें भी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। जबकि रेल प्रबंधन को कोयलांचल क्षेत्र होने के कारण जमकर राजस्व का लाभ होता है उसके बाद भी कोतमा रेलवे स्टेशन के साथ रेल प्रबंधन का सौतेला व्यवहार क्यों कर रहा है समझ से परे है। नागरिकों ने रेल प्रबंधन से रेलवे स्टेशन में शौचालय की सुविधा प्रदान करने की मांग की है।

खुली नालियां

रेलवे प्रबंधन द्वारा रेलवे स्टेशन एवं परिसर में बनाए गए नालियों में चेंबर नहीं लगाए गए हैं जिसके कारण नालियों में गंदगी भरी पड़ी हुई है बारिश का पानी जब नाली में भर जाता है तो वह रेलवे स्टेशन के अंदर तक आ जाता है। नालियों में गंदगी भरी पड़ी होने के कारण मच्छर भी पनपते हैं जिससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। एक और पूरे देश में स्वच्छ भारत अभियान चलाया जा रहा है जिसके तहत रेलवे स्टेशन परिसर में यदि कोई व्यक्ति खड़ा होकर पेशाब कर रहा है तो उस पर रेलवे प्रबंधन के द्वारा जुर्माना लगाया जाता है और वहीं दूसरी ओर यह देखने को मिल रहा है कि रेलवे स्टेशन में स्वच्छता के नाम पर दिखावा किया जा रहा है। यह कैसी विडंबना है रेलवे प्रबंधन की।

सब खुले मे

रेलवे में सफाई का कार्य ठेके पर दिया गया है और भूले भटके सफाई कर्मचारियों के द्वारा रेलवे स्टेशन परिसर एवं कालोनियों की साफ सफाई की जाती है और कचरे को रेलवे परिसर में ही फेक दिया जाता है जिसके कारण जगह-जगह कचरे का ढेर लगा रहता है। ठेकेदार के द्वारा प्लेटफार्म मे निमार्ण कार्य किया गया था उसके मलबे का ढेर जगह जगह लगा हुआ है।

ताला बंद

रेलवे प्रबंधन के द्वारा रेलवे स्टेशन के बाहर लाखों रुपए खर्च कर शौचालय का निर्माण करवाया गया था लेकिन जब से शौचालय का निर्माण हुआ है तभी से शौचालय में ताला लटकता रहता है आखिर प्रबंधन के द्वारा क्या इस शौचालय का निर्माण मात्र दिखावे के लिए करते हुए शासन के पैसों की होली खेली गई है जिसका लाभ लोगों को नहीं मिल पा रहा है।

प्लेटफार्म मे जानवरों का प्रवेश

रेलवे स्टेशन के मुख्य गेट पर लोहे का पाइप लगा हुआ था जिसे निकाल दिया गया है जिसके कारण हर समय आवारा मवेशियों को विचरण करते देखा जा सकता है। कभी कभी तो ये मवेशी पटरी मे पहुंच जाते हैं जिसके कारण दुघर्टना के शिकार भी हो जाते हैं। टिकट खिड़की के सामने आवारा कुत्तों का भी जमघट लगा रहता है ये आवारा कुत्ते आराम फरमाते नजर आते हैं। नागरिकों ने मंडल रेल प्रबंधक से कार्यवाही करते हुए व्यवस्था बनायें जाने की मांग की है।

खबर संक्षेप

जालसाजों ने बैंक खाते से पार किये एक लाख 80 हजार रूपये

कटनी। रंगनाथ नगर थाना अंतर्गत द्वारिका सिटी के रहने वाले नरेंद्र कुमार जैन को अज्ञात साइबर अपराधियों ने अपना निशाना बनाया। जालसाजों ने नरेंद्र कुमार जैन को व्हाट्सएप पर कॉल किया और उन्हें झांसे में लिया और बातों-बातों में उनके बैंक एटीएम कार्ड से जुड़ी बेहद गोपनीय जानकारियां हासिल कर लीं। जानकारी हाथ लगते ही शातिरों ने उनके खाते में सेंध लगा दी और कुल 1,80,003 रुपये ऑनलाइन आहरण कर लिए। मोबाइल पर पैसे कटने का मैसेज आने के बाद पीड़ित को ठगी का अहसास हुआ। रंगनाथ नगर पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर सायबर सेल की मदद से आरोपियों के बैंक खातों और लोकेशन को ट्रेस करना शुरू कर दिया है। इसी तरह बहोरीबंद में बुजुर्ग महिला के साथ भी हुआ सायबर फ्रॉड की घटना हुई। ग्राम किरहाई पिपरिया की रहने वाली 60 वर्षीय बुजुर्ग महिला सती बाई कुशवाहा के साथ अज्ञात बदमाशों ने साइबर फ्रॉड की वारदात को अंजाम दिया। बुजुर्ग महिला के खाते से शातिरों ने डिजिटल माध्यम का उपयोग कर धोखाधड़ी की। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने अपराध पंजीबद्ध किया है। पुलिस मामले की पड़ताल कर रही है।

ट्रेक्टर ने कार को मारी टक्कर, युवक घायल

कटनी। कुठला थाना क्षेत्र के अंतर्गत बडागांव करहिया में ट्रैक्टर चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए सामने से आ रही कार को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में कार सवार एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार आजाद चौक निवासी कुलदीप सिंह धनूजा 27 वर्ष अपनी कार से जा रहे थे तभी बडागांव करहिया तालाब के पास सामने से आ रहे ट्रैक्टर क्रमांक MP 21 ZD 3347 के चालक ने अपने वाहन को बेहद तेज गति और खतरनाक तरीके से लहराते हुए लाकर कार में सामने से सीधी टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया और कार चला रहे कुलदीप सिंह धनूजा को शरीर में गंभीर चोटें आईं। दुर्घटना के बाद आरोपी ट्रैक्टर चालक वाहन सहित मौके से भाग निकला। हादसे के बाद घायल कुलदीप सिंह को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर अज्ञात चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

डेढ़ क्विंटल गेहूं चोरी करने वाला पकड़ाया

सिलौंडी। पुलिस द्वारा ग्राम दशरमन से चोरी गया मशरूका पुलिस टीम द्वारा बरामद किया गया। पुलिस के अनुसार 02.06.2026 को चौकी सिलौड़ी पुलिस को ग्राम दशरमन के प्रार्थी विजेन्द्र कुमार लोधी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि ग्राम दसरमन बस स्टैंड में किराना की दुकान है जोकि अपनी दुकान के सामने पिकअप वाहन में रखी कट्टियों से किसी अज्ञात ने व्यक्ति करीब डेढ़ क्विंटल गेहूं चोरी कर लिया है कि रिपोर्ट पर पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी को ढूंढ निकाला। आरोपित गांव का संतोष उर्फ बुकट्टा पिता प्रभुदयाल कोल रहा। आरोपी को मौके पर जाकर गिरफ्तार किया गया एवं मशरूका घर से डेढ़ क्विंटल गेहूं बरामद किया गया। इस कार्यवाही में चौकी प्रभारी अनिल कुमार पाण्डेय, प्रधान आरक्षक- अतुल शर्मा, आरक्षक -रामसेवक विश्वकर्मा, धर्मवीर सिंह की भूमिका रही।

विश्व साइकिल दिवस पर 'संडे ऑन साइकिल' का सफल आयोजन

उमरिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान तथा मध्यप्रदेश शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग के निर्देशन में, क्रीड़ा भारती जिला उमरिया के सहयोग से विश्व साइकिल दिवस के उपलक्ष्य में 7 जून को स्थानीय नगरपालिका स्टेडियम उमरिया में 'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी सीताराम के नेतृत्व में साइकिल रैली निकाली गई। रैली नगरपालिका स्टेडियम से प्रारंभ होकर न्यायालय चौराहा, गांधी चौक, जय स्तंभ, पुराना बस स्टैंड, रानी दुर्गावती चौक और सगरा मंदिर मार्ग से होते हुए पुनः स्टेडियम पहुंचकर संपन्न हुई। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सीताराम ने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है। साइकिल चलाना स्वस्थ रहने का सरल और प्रभावी माध्यम है। यदि हम दैनिक जीवन में साइकिल के उपयोग को अपनाएं, तो स्वयं के साथ-साथ अपने परिवार को भी स्वस्थ रख सकते हैं। कार्यक्रम को माय भारत केंद्र के युवा अधिकारी उमाशंकर त्रिवेदी ने भी संबोधित करते हुए युवाओं से नियमित व्यायाम और साइकिलिंग को जीवनशैली का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में माय भारत केंद्र के समन्वयक आकाश बर्मन, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के कार्यालय प्रमुख चरण सिंह बरकड़े, प्रशिक्षक संजय सिंह एवं प्रवीण पसेरिया, जिला पंचायत से मनीषा कांड्रा सहित क्रीड़ा भारती जिला उमरिया के पदाधिकारी, सदस्य एवं बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे। विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को स्वास्थ्य, फिटनेस और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना रहा।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला टास्क फोर्स समिति की बैठक संपन्न

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय की अध्यक्षता में कलेक्टर सभागार में जिला टास्क फोर्स समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में बालक एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 के संशोधित प्रावधानों तथा बाल श्रम उन्मूलन संबंधी गतिविधियों की समीक्षा की गई। बैठक में श्रम विभाग द्वारा अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों की जानकारी दी गई। बताया गया कि यदि कोई विद्यार्थी बिना सूचना के लगातार तीन दिनों तक विद्यालय से अनुपस्थित रहता है, तो संबंधित प्रधानाध्यापक उसकी अनुपस्थिति की सूचना जिला टास्क फोर्स समिति के नोडल अधिकारी को देंगे। इसके अलावा, विद्यालय छोडऩे वाले बच्चों (शाला त्यागी) की जानकारी भी जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला शिक्षा केंद्र के माध्यम से समिति के नोडल अधिकारी तक पहुंचाई जाएगी। बैठक में जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रेन के संचालक सुशील कुमार शर्मा ने बताया कि 12 जून 2026 को मानव तस्करी विरोधी दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला बाल श्रम संरक्षण समन्वयक, जिला शिक्षा केंद्र, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डालसा), एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट, पुलिस विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों के सहयोग से कलेक्टर की अध्यक्षता में किया जाएगा। उन्होंने बाल श्रम मुक्त उमरिया जिला बनाने के लक्ष्य के साथ समन्वित प्रयास करने पर जोर दिया।बैठक में भारत सरकार के नीति आयोग द्वारा चिन्हित आकांक्षी विकासखंड मानपुर में पलायन प्रभावित परिवारों की स्थिति पर भी चर्चा की गई। ऐसे परिवार, जो रोजगार की तलाश में राज्य से बाहर जाते हैं और अपने बच्चों को भी साथ ले जाते हैं, जिससे उनकी शिक्षा प्रभावित होती है, उन्हें शासन की रोजगारपरक एवं कल्याणकारी योजनाओं से जोडऩे के निर्देश दिए गए।बैठक में सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह,अपर कलेक्टर पी.के. सेनगुप्ता, एसडीएम मानपुर हरनीत कौर कलसी, एसडीएम बांधवगढ़ अंबिकेश प्रताप सिंह, एसडीएम पाली मीनाक्षी इंगले, डिप्टी कलेक्टर प्रत्युष श्रीवास्तव सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जून माह के प्रत्येक शनिवार को विद्यालयों में मनाया जाएगा मेगा अपार दिवस

उमरिया। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के निर्देशानुसार जिले के सभी विद्यालयों में 1 जून से 30 जून 2026 तक प्रत्येक शनिवार को मेगा अपार दिवस का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिले के प्रत्येक विद्यालय में मेगा अपार दिवस का प्रभावी आयोजन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने बताया कि अपार आईडी विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियों, परीक्षा परिणाम, समग्र रिपोर्ट कार्ड, छात्रवृत्ति, सीखने के परिणामों सहित अन्य उपलब्धियों को डिजिटल रूप से सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

कलेक्टर ने निर्देशित किया कि अपार आईडी से वंचित विद्यार्थियों की सूची तैयार कर उन्हें दो श्रेणियों में विभाजित किया जाए। पहली श्रेणी में वे छात्र होंगे जिनके पास आधार कार्ड है लेकिन अपार आईडी नहीं बनी है। ऐसे विद्यार्थियों को अपार शिविरों में उपस्थित होकर अपनी अपार आईडी बनवाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। दूसरी श्रेणी में वे विद्यार्थी शामिल होंगे जिनके पास आधार कार्ड नहीं है। ऐसे छात्रों का आधार नामांकन प्राथमिकता के आधार पर आधार केंद्रों, बैंकों एवं डाकघरों के माध्यम से कराया जाएगा।

उन्होंने सभी विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से अपार आईडी शिविरों में भाग लेकर अधिक से अधिक संख्या में अपार आईडी बनवाने की अपील की।

बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला परियोजना समन्वयक ने सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारियों तथा विकासखंड स्त्रोत समन्वयकों को मेगा अपार दिवस की सघन मॉनिटरिंग के निर्देश दिए।विद्यालयों में बिजली, इंटरनेट, पंखे, पेयजल एवं बैठने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए। साथ ही, मेगा अपार दिवस के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए सोशल मीडिया का प्रभावी उपयोग करने को कहा गया, ताकि सभी अभिभावकों एवं विद्यार्थियों को समय पर जानकारी प्राप्त हो सके।

जिले के सभी विकासखंडों द्वारा संकुलों एवं जनशिक्षकों को अपार आईडी निर्माण के लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता पाए जाने पर संबंधित विद्यालय एवं जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। साथ ही अपार आईडी निर्माण की साप्ताहिक प्रगति रिपोर्ट जिला शिक्षा केंद्र को नियमित रूप से भेजने के निर्देश भी दिए गए हैं।

रूपोंद रेलवे गेट के बंद रहने से वाहनों की लगती है लंबी कतार, ब्रिज बनाने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ बड़वारा

जनपद अंतर्गत रूपोंद रेल्वे स्टेशन पर बना रेल्वे गेट दिन में कई बार बन्द रहने से लोगों के लिए परेशानी का पर्याय बन चुका है। शासन के द्वारा बाधा रहित मार्ग उपलब्ध करवाने के अनेकों वादे घोषणाएं की जा रही हैं किंतु इसके विपरीत बड़वारा विधानसभा में रूपोंद रेल्वे स्टेशन में आज तक ब्रिज बनवाने की दिशा में किसी भी जनप्रतिनिधि के द्वारा किसी भी प्रकार की कार्रवाई नही की गई। रूपोंद रेल्वे गेट से रोजाना कई ग्रामों से लोगों का आवागमन होता है, दिन भर वाहनों का आवागमन होता है वाहनों की लंबी लम्बी कतार लगती हैं जिसमे शासन की ही एम्बुलेंस शामिल है इस एम्बुलेंस में गम्भीर बीमारी से ग्रसित व्यक्ति इलाज करवाने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बड़वारा आते हैं, गर्भवती महिलाएं भी प्रसव करवाने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बड़वारा आती हैं किन्तु गेट बंद रहने से घण्टों एम्बुलेंस में होने के बावजूद गेट खुलने का इंतजार करना पड़ता है जिससे इनकी जान पर संकट गहरा जाता है।बड़वारा के नागरिकों एवं कांग्रेस पार्टी के ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष विकास निगम, ओमकार सिंह जिलाध्यक्ष आदिवासी कांग्रेस कटनी एवं शैलेष जायसवाल विधानसभा अध्यक्ष युवा कांग्रेस बड़वारा ने भी आम जन को सुगम मार्ग उपलब्ध करवाने हेतु रूपोंद रेल्वे गेट में ओवर ब्रिज या अंडर ब्रिज बनवाये जाने की शासन से मांग की है।

अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण पर करें सख्त कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

जिले में अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर नियंत्रण हेतु प्रभावी और सख्त कार्यवाही करें।साथ ही शासन द्वारा निर्धारित खनिज राजस्व लक्ष्यों की वसूली कार्य में तेजी लायें। यह निर्देश कलेक्टर आशीष तिवारी ने खनिज विभाग की विभागीय गतिविधियों, राजस्व वसूली एवं प्रवर्तन कार्यों की विस्तृत समीक्षा बैठक में दिये। इस दौरान उपसंचालक खनिज रत्नेश दीक्षित, सहायक खनिज अधिकारी और खनिज निरीक्षक मौजूद रहे।

समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री तिवारी ने कहा कि अवैध खनिज गतिविधियों की रोकथाम के लिए नियमित निगरानी और सतत कार्रवाई आवश्यक है। उन्होंने माइनिंग सर्विलांस सिस्टम (एमएसएस) एवं ई-चेक गेट जैसी तकनीकी व्यवस्थाओं का उपयोग बढ़ाते हुए निगरानी तंत्र को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए।

करें संयुक्त कार्यवाही

कलेक्टर श्री तिवारी ने राजस्व, पुलिस एवं खनिज विभाग के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर संयुक्त रूप से कार्रवाई करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण से संबंधित शिकायतों एवं सूचनाओं पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा प्रवर्तन कार्यों की नियमित समीक्षा की जाए।

लापरवाही नहीं बरतें

बैठक में सीएम हेल्पलाइन के अंतर्गत दर्ज शिकायतों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने लंबित प्रकरणों का समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि शिकायतों के निराकरण में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

उन्होंने विभागीय अधिकारियों को राजस्व वसूली की प्रगति की नियमित समीक्षा करने, लक्ष्य के अनुरूप कार्ययोजना तैयार करने तथा मैदानी स्तर पर निरीक्षण बढ़ाने के निर्देश दिए। साथ ही खनिज संसाधनों के संरक्षण एवं वैधानिक प्रावधानों के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी विशेष ध्यान देने को कहा।

बैठक में खनिज विभाग के अधिकारियों ने राजस्व वसूली, प्रवर्तन कार्रवाइयों, सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों की स्थिति तथा विभाग की आगामी कार्ययोजना की जानकारी प्रस्तुत की। कलेक्टर ने निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति एवं अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए संबंधित विभागों को समन्वित रूप से कार्य करने के निर्देश दिए।

आदतन अपराधी का किया जिलाबदर

कटनी। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी आशीष तिवारी ने शंकरगढ पहरूआ थाना कुठला निवासी अरविंद चौधरी पिता रामप्रसाद उर्फभगोली चौधरी 24 वर्ष के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए 24 घंटे के भीतर आगामी 4 माह की अवधि के लिए जिले की राजस्वा सीमाओं से बाहर जाने का आदेश पारित किया है। कलेक्टर श्री तिवारी ने जिला बदर की यह कार्यवाही पुलिस अधीक्षक से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर किया है। अरविंद चौधरी एक आदतन अपराधी है। इसके विरुद्ध वर्ष 2021 से अब तक थाना कुठला में 5 और महिला थाना में एक सहित कुल 6 अपराधिक प्रकरण दर्ज है।

श्रीमद् भागवत कथा श्रवण से मनुष्य को प्रेत योनि से मुक्ति मिलती हैः महन्त अर्जुन दास

बुढार। नगर के सुप्रसिद्ध श्रीराम जानकी मन्दिर बुढार में पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ एवं पुरुषोत्तम मास महात्मय कथा का इन दिनों श्रद्धालु धर्मप्रेमी श्रवण कर अपना जीवन सौभाग्यमय बना रहे हैं।श्रीराम जानकी मन्दिर बुढार के पूज्य महन्त अर्जुन दास महाराज पुरुषोत्तम मास के पुण्य अवसर पर श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ एवं पुरुषोत्तम मास महात्मय कथा का श्रवण करा रहे हैं।श्रीराम जानकी मन्दिर भक्त परिकर बुढार द्वारा आयोजित संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ का श्रवण कराते हुयें पूज्य महन्त अर्जुन दास महाराज ने कहाकि-श्रीमद् भागवत कथा श्रवण करने से कभी मनुष्य को प्रेत योनि की प्राप्ति नही होती, और प्रेत योनियों में जा चुके जीव भी कथा से मुक्त हो जातें है।परम पूज्य स्वामी राजेन्द्र दास जी देवाचार्य, मूलक पीठाधीश्वर के सद प्रेरणा एवं श्रीराम जानकी मन्दिर के साकेतवासी परम पूज्य स्वामी श्री नारायण दास शास्त्री जी महाराज एवं श्री श्री 108 महंत श्रीराम बालक दास जी महाराज के शुभाशीष से पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर श्रीराम जानकी मन्दिर बुढार में संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ एवं पुरुषोत्तम मास महात्मय कथा श्रवण का पुण्य लाभ श्रीराम जानकी मन्दिर के पूज्य महन्त श्री अर्जुन दास जी महाराज के मुखारविंद से नगर एवं आसपास के श्रद्धालु धर्मप्रेमियों को गत 4 जून से निरंतर अर्जित हो रहा है और यह कथा आगामी 13 जून तक श्रद्धालुजनो को अर्जित हो सकेगीं। श्रद्धालु धर्मप्रेमियों से श्रीमद् भागवत कथा का अधिकाधिक लाभ अर्जित करने की सादर अपेक्षा की गई है।

12 से 18 जून तक लगेंगे शिविर

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि 12 से 18 जून 2026 की अवधि में जिले के प्रत्येक विकासखण्ड एवं नगरीय निकाय मुख्यालयों पर 03 दिवसीय 'जनकल्याण शिविर' आयोजित किये जायेंगे। इन शिविरों में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से वंचित पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित करना और आमजन की समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जायेगा। जिले में संचालित केन्द्र एवं राज्य शासन की प्रमुख हितग्राहीमूलक योजनाओं (सेचुरेशन एवं लक्ष्य आधारित) के पात्र किन्तु वंचित हितग्राहियों की पहचान विभागीय मैदानी अमले के सहयोग से कर उनका पंजीयन, स्वीकृति एवं लाभ वितरण की कार्यवाही प्राथमिकता से की जायेगी। साथ ही विभिन्न विभागों की हितग्राहीमूलक योजनाओं के साथ स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) अंतर्गत व्यक्तिगत पारिवारिक शौचालयों (आईएचएचएल) के लिये भी हितग्राहियों के आवेदन प्राप्त कर उनका पंजीयन एवं निराकरण सुनिश्चित किया जायेगा।

सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा इस संबंध में सभी संभागायुक्त, कलेक्टर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत, आयुक्त, नगर पालिक निगम और नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निर्देश जारी किये गये है। निर्देशों में कहा गया है कि शिविरों का रोस्टर इस प्रकार तैयार किया जाए कि यथासंभव कलेक्टर/अपर कलेक्टर/मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, जिले के समस्त विभागों के जिला अधिकारियों के साथ प्रत्येक शिविर में उपस्थित रहें और विभागीय योजनाओं, सेवाओं, शिकायतों एवं लंबित प्रकरणों का परीक्षण कर यथासंभव मौके पर ही निराकरण सुनिश्चित किया जा सके।

उपाध्यक्ष के वार्ड मैर टोला में टूटी नाली से जनता परेशान

बिरसिंहपुर पाली। प्राप्त समाचार अनुसार वार्ड क्रमांक 2 मैर टोला उपाध्यक्ष श्री राजेश पटेल जी का वार्ड है जहां वो बैगा जनजाति का मसीहा समझ जाते हैं, लेकिन वही की जनता विगत कई वर्षों से टूटी नाली एवं रोड से बेहाल है जबकि नगर पालिका क्षेत्र पाली के प्रत्येक वार्डों में लगातार प्रगति के कार्य तेजी से चल रहा है जबकि वार्ड क्रमांक 2 आदिवासी बहुल क्षेत्र है वहां की जनता नाली एवं रोड से परेशान है विगत दिनों नगर पालिका अध्यक्ष सुश्री शकुंतला प्रधान जनता की आम समस्या एवं बैगा जनजाति के मांग को देखते हुए बरसात से पहले नाली में सीमेंट का डोला लगवाने का वादा की है जिससे नगर की जनता में विश्वास की किरण जागी है।

खबर संक्षेप

संगीता कांकरिया 10 जून से शहडोल संभाग के दौरे पर

अनूपपुर। मध्य प्रदेश कांग्रेस सेवादल की प्रदेश महिला अध्यक्ष सुश्री संगीता कांकरिया 10 एवं 11 जून को दो दिवसीय संगठनात्मक प्रवास पर शहडोल संभाग के दौरे पर रहेंगी। इस दौरान वे उमरिया, शहडोल एवं अनूपपुर जिलों में महिला सेवादल कार्यकर्ताओं की बैठकें लेकर संगठन की गतिविधियों की समीक्षा करेंगी तथा कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद स्थापित करेंगी। कांग्रेस सेवादल अनूपपुर के जिलाध्यक्ष डॉ. एहसान अली अंसारी एवं महिला सेवादल जिलाध्यक्ष संध्या वर्मा ने बताया कि प्रदेश महिला अध्यक्ष सुश्री कांकरिया 10 जून को प्रातः 11 बजे उमरिया में महिला सेवादल की बैठक को संबोधित करेंगी। इसके पश्चात वे दोपहर 4 बजे कांग्रेस भवन शहडोल में आयोजित बैठक में शामिल होकर संगठन विस्तार, महिला सहभागिता एवं आगामी कार्यक्रमों को लेकर कार्यकर्ताओं से चर्चा करेंगी रात्रि विश्राम शहडोल में रहेगा। दौरे के दूसरे दिन 11 जून को प्रातः 11 बजे राजीव भवन, कांग्रेस कार्यालय अनूपपुर में महिला सेवादल कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित होगी। बैठक में सुश्री कांकरिया कार्यकर्ताओं का व्यक्तिगत परिचय प्राप्त करने के साथ-साथ संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने, महिला नेतृत्व को प्रोत्साहित करने एवं जनहित के मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभाने के संबंध में मार्गदर्शन देंगी।बैठक उपरांत वे दोपहर 2 बजे बिलासपुर-इंदौर ट्रेन से भोपाल के लिए रवाना होंगी। कांग्रेस सेवादल के जिलाध्यक्ष डॉ. एहसान अली अंसारी एवं महिला सेवादल जिलाध्यक्ष संध्या वर्मा ने शहडोल संभाग के समस्त प्रदेश, जिला एवं ब्लॉक स्तरीय सेवादल, यंग ब्रिगेड तथा महिला सेवादल पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से इन बैठकों में अनिवार्य रूप से सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि प्रदेश महिला अध्यक्ष के दौरे को सफल बनाने के लिए सभी कार्यकर्ता अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर संगठन की मजबूती में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं।

मां नर्मदा के दर्शन-पूजन हेतु उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़

अमरकंटक। प्रदेश के प्रमुख धार्मिक एवं आध्यात्मिक तीर्थ स्थल अमरकंटक में ज्येष्ठ अधिमास के पावन अवसर पर पतित पावनी पुण्य सलिला मां नर्मदा के दर्शन, पूजन एवं पवित्र स्नान के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। विगत एक सप्ताह से देश के विभिन्न क्षेत्रों से आने वाले भक्तजन बड़ी संख्या में अमरकंटक पहुंच रहे हैं। प्रातःकाल से ही नर्मदा नदी के विभिन्न घाटों पर श्रद्धालुओं का जमावड़ा लगना शुरू हो जाता है। भक्तजन मां नर्मदा में आस्था की डुबकी लगाकर स्नान, ध्यान एवं पूजा-अर्चना कर रहे हैं। स्नान के उपरांत श्रद्धालु नर्मदा मंदिर में दर्शन-पूजन के लिए लंबी कतारों में खड़े होकर मां नर्मदा का आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं।
अधिमास के कारण संपूर्ण अमरकंटक क्षेत्र में धार्मिक एवं आध्यात्मिक वातावरण बना हुआ है। नगर के विभिन्न आश्रमों एवं धार्मिक स्थलों पर कथा, प्रवचन एवं अनुष्ठानों का आयोजन किया जा रहा है। श्रद्धालु इन आयोजनों में भाग लेकर धर्म लाभ अर्जित कर रहे हैं। वर्तमान में शांति कुटी आश्रम, मृत्युंजय आश्रम, गुरु नानक गुरुद्वारा, धारकुंडी आश्रम, आरंडी संगम तथा बब्बा की बाड़ी सहित अनेक स्थानों पर श्रीमद्भागवत महापुराण, शिव महापुराण एवं नर्मदा महापुराण की कथाओं का आयोजन चल रहा है। इन धार्मिक आयोजनों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर कथा श्रवण कर रहे हैं तथा अधिमास के पुण्य काल का लाभ उठा रहे हैं।
धार्मिक मान्यताओं के अनुसार अधिमास में किए गए स्नान, दान, जप, तप एवं पूजा-अर्चना का विशेष महत्व माना जाता है। यही कारण है कि अमरकंटक में इन दिनों श्रद्धालुओं की संख्या में लगातार वृद्धि देखने को मिल रही है और पूरा क्षेत्र भक्ति एवं श्रद्धा के रंग में रंगा हुआ दिखाई दे रहा है।

प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

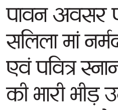

अनूपपुर। कलेक्टर कार्यालय परिसर, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग कार्यालय परिसर, जिला खनिज कार्यालय परिसर, जिला पंचायत कार्यालय परिसर एवं जिला पंचायत कार्यालय परिसर के सामने आए दिन विभिन्न राजनैतिक दल, संगठनों द्वारा जुलूस, आमसभा, नारेबाजी एवं ध्वनि विस्तारक यंत्र के उपयोग से कार्यालयीन एवं न्यायालयीन कार्य प्रभावित होता है एवं परिशांति भंग होने की संभावना बनी रहती है।

मुख्यमंत्री के आदेश की उड़ रही धज्जियां

जिलेभर में खुलेआम सज रही मांस मंडी

सड़कों पर दुर्गंध और जिम्मेदारों की चुप्पी पर सवालिया निशान

मध्यप्रदेश में खुले में मांस बिक्री पर सख्ती के सरकारी दावों के बीच अनूपपुर जिला मुख्यालय सहित कोतमा नगर और पुष्पराजगढ़ मुख्यालय में एक अलग ही तस्वीर पेश कर रहा है। रेलवे लाइन किनारे से लेकर बनिया टोला तक खुलेआम मांस और मछली की दुकानें सज रही हैं। सड़क से गुजरने वाले लोगों को न केवल वीभत्स दृश्य देखने पड़ रहे हैं, बल्कि दुर्गंध और गंदगी से भी दो-चार होना पड़ रहा है। सवाल यह है कि आखिर मुख्यमंत्री के आदेशों का पालन कौन करवाएगा और जिम्मेदार अधिकारी आखिरकार कब जागेंगे?

हरिभूमि नयूज अनूपपुर/कोतमा।

जिला मुख्यालय सहित पुष्पराजगढ़ मुख्यालय और कोतमा नगर में खुले में मांस और मछली बिक्री का मुद्दा एक बार फिर चर्चा के केंद्र में है। मुख्यमंत्री द्वारा सार्वजनिक स्थलों पर खुले में मांस बिक्री रोकने के निर्देश दिए जाने के बाद लोगों को उम्मीद थी कि नगर की सड़कों से ऐसे दृश्य गायब हो जाएंगे, लेकिन हालात इसके उलट दिखाई दे रहे हैं। कोतमा में रेलवे कॉलोनी से लेकर बनिया टोला और विभिन्न वार्डों में दर्जनों दुकानें खुलेआम संचालित हो रही हैं। जिले के सभी तहसील मुख्यालय पर रविवार के साप्ताहिक बाजार में तो स्थिति और गंभीर हो जाती है, जब सड़क के दोनों किनारों पर दुकानें लगने से आवागमन प्रभावित होता है और मछली व मांस का कचरा खुले में पड़ा रहता है। दूसरी ओर, 60 लाख रुपये की लागत से बने मीट मार्केट का उपयोग नहीं हो रहा है वहीं पुष्पराजगढ़ के किरगी राजेंद्रग्राम बाजार में लाखों की लागत से बना मीट बाजार कब्जे का शिकार हो चला है जिससे खुले में दुकानें संचालित हो रही है जिससे सरकारी व्यवस्था और संसाधनों पर भी सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि नगर पालिका, रेलवे प्रशासन और अन्य जिम्मेदार एजेंसियां इस समस्या के समाधान के प्रति गंभीर नजर नहीं आ रहीं है।

आदेश महज दिखावा खुले में सज रही मांस मंडी

मुख्यमंत्री के निर्देशों के बावजूद जिलेभर में खुले में मांस बिक्री का सिलसिला जारी है। कोतमा में रेलवे लाइन किनारे, बाजार क्षेत्र और कई वार्डों में दुकानें संचालित हो रही हैं। सड़क से गुजरने वाले लोगों को खुले में रखे मांस और मछलियों के दृश्य देखने पड़ते हैं। नागरिकों का कहना है कि आदेशों का प्रभाव जमीन पर दिखाई नहीं दे रहा है। लोगों का सवाल है कि यदि प्रतिबंध लागू है तो फिर खुलेआम बिक्री कैसे जारी है और संबंधित विभाग कार्यवाही क्यों नहीं कर रहे हैं।

लाखों का मीट मार्केट बेकार

कोतमा नगर पालिका द्वारा कॉलेज रोड स्थित वार्ड क्रमांक 11 में लगभग 60 लाख रुपये की लागत से फिश एवं मीट मार्केट का निर्माण कराया गया था। उद्देश्य था कि मांस विक्रेताओं को व्यवस्थित स्थान उपलब्ध कराया जाए। लेकिन वर्तमान में अधिकांश विक्रेता वहां जाने के बजाय सड़क किनारे दुकानें लगाना अधिक सुविधाजनक समझ रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि उपयोग न होने के कारण यह परिसर उपेक्षा का शिकार हो गया है और वहां असामाजिक गतिविधियों की शिकायतें भी सामने आती रही हैं।यही हाल पुष्पराजगढ़ मुख्यालय राजेंद्रग्राम में लगने वाली साप्ताहिक बाजार का है जहां पर कब्जा और खुले में दुकानें संचालित हो रही है।

छात्राओं और महिलाओं की बढ़ी परेशानी

कोतमा रेलवे कॉलोनी क्षेत्र के आसपास बड़ी संख्या में लगने वाली मांस और मछली की दुकानों से स्कूल-कॉलेज आने-जाने वाले विद्यार्थियों को असुविधा होती है। स्थानीय नागरिकों के अनुसार कई छात्राओं और महिलाओं को प्रतिदिन दुर्गंध और असहज माहौल का सामना करना पड़ता है। बनिया टोला से बाजार और मंदिर की ओर जाने वाले मार्ग पर भी लोगों ने ऐसी ही शिकायतें दर्ज कराई हैं। उनका कहना है कि सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता और संवेदनशीलता दोनों का ध्यान रखा जाना चाहिए।

सड़क पर कचरा, दुर्गंध और अव्यवस्था

स्थानीय लोगों का आरोप है कि मछली और मांस की सफाई से निकलने वाला अपशिष्ट खुले में फेंक दिया जाता है, जिससे दुर्गंध और गंदगी फैलती है। विशेषकर रविवार को बाजार के दौरान स्थिति अधिक गंभीर हो जाती है। सड़क किनारे कटाई और बिक्री से न केवल स्वच्छता प्रभावित होती है बल्कि राहगीरों को भी परेशानी उठानी पड़ती है। नागरिकों का कहना है कि नगर को साफ-सुथरा रखने के लिए नियमित निगरानी और सख्त कार्यवाही आवश्यक है।

रेलवे भूमि पर दुकानें, अवैध कब्जा पर कार्यवाही का इंतजार

कोतमा में कई दुकानें रेलवे भूमि के आसपास संचालित होने की बात कही जा रही है। नागरिकों का आरोप है कि रेलवे प्रशासन और स्थानीय अमला इस मामले में प्रभावी कदम नहीं उठा रहा है। यदि संबंधित भूमि रेलवे की है तो नियमों के अनुरूप कार्यवाही क्यों नहीं हो रही, यह भी चर्चा का विषय बना हुआ है। लगातार उठ रही शिकायतों के बावजूद स्थिति में सुधार नहीं दिखने से लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। वही राजेंद्रग्राम में भी मीट मार्केट कब्जे का शिकार हो गया है पर्याप्त सुविधाएं नदारद है अब नागरिक जिला प्रशासन से ठोस कार्यवाही की मांग कर रहे है और खुले में हो रही बिक्री पर प्रभावी रोक लगाने की मांग कर रहे हैं।

सीड बॉल से हरियाली की नई पहल

सामतपुर तालाब में बीजारोपण से वृक्षारोपण अभियान

जामुन-चंदन-बेल के बीजों से तैयार हुईं हजारों उम्मीदें

हरिभूमि नयूज अनूपपुर।

पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सामतपुर तालाब के तट पर रविवार को बीजारोपण से वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत सीड बॉल निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम शिक्षा सभी के लिए मीडिया, गवर्नमेंट शिक्षा सभी के लिए स्कूल अनूपपुर एवं महिला श्रमिक एवं निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित अनूपपुर के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए मिट्टी एवं खाद के मिश्रण से सीड बॉल तैयार कीं। इन सीड बॉल में जामुन, चंदन एवं बेल के बीजों का उपयोग किया गया, जिन्हें आगामी मानसून के दौरान उपयुक्त स्थलों पर रोपित किया जाएगा। इस अभिनव पहल का उद्देश्य कम लागत और न्यूनतम रखरखाव के माध्यम से अधिक से अधिक वृक्षारोपण को बढ़ावा देना है। सामतपुर तालाब के प्राकृतिक वातावरण में आयोजित इस कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा था। उपस्थित जनों ने श्रमदान कर प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाई और हरित भविष्य के निर्माण का संकल्प लिया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से वार्ड क्रमांक 8 के पार्षद पति विनोद सोनी, महिला श्रमिक एवं निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित अनूपपुर की सीईओ श्रीमती द्रोपदी राठौर, डायरेक्टर श्रीमती सीता तिवारी, सहकार भारती जिला अनूपपुर की श्रीमती सुनीता सोनी, एमपीएसओएस की नोडल ऑफिसर वंदना सोनी, शिक्षा सभी के लिए मीडिया प्रभारी हेतराम साहू, शिक्षक धर्मेंद्र शाक्यवार एवं अजय प्रसाद सहित संस्था के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। वक्ताओं ने कहा कि सीड बॉल तकनीक पर्यावरण संरक्षण का एक प्रभावी और सरल माध्यम है। बारिश का पानी मिलने पर इन सीड बॉल में मौजूद बीज अंकुरित होकर पौधों में विकसित होंगे, जिससे क्षेत्र में हरियाली बढ़ेगी और पर्यावरण संतुलन को मजबूती मिलेगी। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने भविष्य में भी ऐसे जन-जागरूकता एवं पर्यावरण संरक्षण अभियानों को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया।

कलेक्टर की संवेदनशीलता से अनूपपुर के पांच बच्चों को मिला नया जीवन

भोपाल में हुई सफल हार्ट सर्जरी

हरिभूमि नयूज अनूपपुर।

जिले के आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बीमार बच्चों को बेहतर और उच्च स्तरीय इलाज उपलब्ध कराने के लिए कलेक्टर हर्षल पंचोली बेहद गंभीर और संवेदनशील हैं। उनके कुशल निर्देशन और लगातार की गई मॉनिटरिंग के चलते राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत पांच बच्चों साक्षी, दिव्यांशी, आयुष, संध्या एवं प्रियंका को नया जीवन मिला है। कलेक्टर श्री पंचोली के विशेष प्रयासों से जिला स्तर पर चिन्हित किए गए इन बच्चों को त्वरित और निःशुल्क विशेषज्ञ ईलाज के लिए तत्काल भोपाल स्थित चिरायु हेल्थ एंड मेडिकेयर प्राइवेट लिमिटेड रेफर किया गया, जहां हाल ही में इनका सफल उपचार और ऑपरेशन संपन्न हुआ है। कलेक्टर हर्षल पंचोली के निर्देशों का पालन करते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अलका तिवारी के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने पूरी तत्परता से काम किया। जिला चिकित्सालय के डॉ. मोहन सिंह श्याम, डॉ. वीरेंद्र खेस, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. के.के. बघेल एवं डॉ. एस.एन. पिटानिया के समन्वित प्रयासों से बच्चों के भोपाल जाने से लेकर उनकी जांच और सर्जरी की संपूर्ण प्रक्रिया बिना किसी बाधा के सुचारु रूप से पूरी हुई। अस्पताल में भर्ती होने के बाद विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा साक्षी, दिव्यांशी, आयुष एवं प्रियंका की जटिल हृदय सर्जरी सफलतापूर्वक की गई। कुछ ही दिन पहले हुई इस गंभीर सर्जरी के बाद अब सभी बच्चे तेजी से स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं और उनके स्वास्थ्य में निरंतर उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया जा रहा है। डॉक्टरों की देखरेख में बच्चे अब धीरे-धीरे उठने-बैठने और सामान्य रूप से बातचीत करने जैसी हल्की शारीरिक गतिविधियों में सहज महसूस कर रहे हैं, जो उनके तेजी से रिकवर होने का सकारात्मक संकेत है। ऑपरेशन के बाद बच्चों को दर्द और तकलीफ से मुक्ति मिलते देख और उनके स्वास्थ्य में सुधार होता देख, उनके गरीब परिवारों के चेहरों पर जो सुकून और मुस्कान लौटी है, वह जिला प्रशासन के मानवीय प्रयासों की सफलता को बयां कर रही है। इस सफलता में आरबीएसके टीम के चिकित्सकों डॉ. प्रीति जैन, डॉ. कृष्णप्रताप सिंह, डॉ. आशीष कुमार शिवहरे, डॉ. अजय कुमार मंडल, डॉ. राज बहोर साहू सहित वाहन चालक सोनू पनिका एवं अल्लू पाठक का भी सराहनीय योगदान रहा। आरबीएसके के जिला प्रबंधक डॉ. एस.एन. पिटानिया ने बताया कि सर्जरी के बाद बच्चे अभी डॉक्टरी परामर्श के अनुसार आराम कर रहे हैं और उनके स्वास्थ्य पर लगातार नजर रखी जा रही है। इस कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों को पूरी तरह निःशुल्क और उच्च स्तरीय विशेषज्ञ उपचार उपलब्ध कराकर उनके उज्ज्वल और स्वस्थ भविष्य की नींव मजबूत की जा रही है। जिला प्रशासन ने आमजनों से अपील की है कि वे आरबीएसके टीम के स्वास्थ्य परीक्षण में अपने बच्चों की जांच अवश्य कराएं, ताकि किसी भी गंभीर बीमारी की समय पर पहचान कर उसका इलाज कराया जा सके।

मध्य प्रदेश शिक्षक संघ की संभागीय बैठक संपन्न

मंडल संरचना का गठन शत प्रतिशत करने पर धन्यवाद प्रस्ताव पास

हरिभूमि नयूज अनूपपुर।

मध्य प्रदेश शिक्षक संघ संभाग शहडोल की विशिष्ट संभागीय बैठक जिला उमरिया के नेशनल पार्क बांधवगढ़ में टाइगर इन रिजॉर्ट में 6 जून को आयोजित किया गया। मध्य प्रदेश प्रांताध्यक्ष छत्रबीर सिंह राठौड़ एवं प्रांतीय महामंत्री राकेश गुप्ता विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक का संचालन प्रांतीय सचिव महेंद्र कुमार त्रिपाठी ने किया। बैठक में सर्वप्रथम प्रांत अध्यक्ष छत्रवीर सिंह राठौड़ एवं प्रांतीय महामंत्री राकेश गुप्ता ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष द्वीप प्रज्वलित कर तथा माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रांतीय आयाम प्रमुख अरुण कुमार मिश्रा एवं विकास खंड बुढार के विकासखंड अध्यक्ष जितेंद्र कुमार तिवारी ने संगीतमय सरस्वती वंदना की प्रस्तुति दी। संभागीय अध्यक्ष रमाशंकर मिश्रा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की जबकि अतिथि के रूप में मध्य प्रदेश शिक्षक संघ प्रांत आयाम प्रमुख अरुण कुमार मिश्रा, प्रांतीय प्रकोष्ठ प्रमुख जनजाति कार्य विभाग अनिल कुमार सिंह एवं प्रांतीय सचिव महेंद्र कुमार त्रिपाठी ने विशिष्ट अतिथि के रूप में अपनी सहभागिता दी। अतिथियों के स्वागत का भाषण संभागीय अध्यक्ष रमाशंकर मिश्रा ने प्रस्तुत किया तथा सभी अतिथियों का संगठन की नीति के अनुसार स्वागत किया, साथ ही प्रांत अध्यक्ष और प्रांतीय महामंत्री का साल और अंग वस्त्र के द्वारा स्वागत किया गया। संभागीय सचिव हरिहर प्रताप सिंह ने दोनों प्रांतीय पदाधिकारी को अपनी ओर से वस्त्र भेंट किया। संभागीय बैठक में तीनों जिलों क्रमशः शहडोल, अनूपपुर, उमरिया के 48 अपेक्षित पदाधिकारी सहित अन्य उपस्थित प्रतिभागियों को अंग वस्त्र देकर सभी का स्वागत किया। स्वागत के पश्चात कार्यक्रम का संचालन कर रहे प्रांतीय सचिव महेंद्र कुमार त्रिपाठी ने संभागीय इकाई के दिनचर्या के अनुक्रम में मध्य प्रदेश शिक्षक संघ की राष्ट्रीय इकाई अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के द्वारा राष्ट्रहित शिक्षा हित विद्यालय हित और छात्र हित में पूरे वर्ष संचालित किए जाने वाले कार्यक्रमों को सभी अंतिम पायदान के पदाधिकारी को अवगत कराने तथा कार्यक्रम को धरातल पर मूर्त रूप में संचालित करने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रम बिंदु पर बारी-बारी से वक्ताओं को आमंत्रित किया।

प्रांतीय आयाम प्रमुख अरुण कुमार मिश्रा द्वारा मंडल की संरचना, संभागीय संगठन मंत्री डॉ नरेंद्र पटेल ने संगठन की सदस्यता का अभियान, लाल जी तिवारी ने आगामी अगस्त माह में आयोजित किए जाने वाली प्रवृतमान शिक्षकों के सम्मान के कार्यक्रम आयोजन के तैयारी पर विस्तार से चर्चा की। कैलाश प्रसाद गौतम अध्यक्ष जिला उमरिया ने गुरु छाया कार्यक्रम पर विस्तार से उपस्थित पदाधिकारी को अवगत कराया। जिला अध्यक्ष अनूपपुर संजय कुमार निगम ने संत रविदास जी की 600 में जयंती के अवसर पर संगठन की विभिन्न आयोजनों के संबंध में विस्तार से चर्चा की। मध्य प्रदेश शिक्षक संघ की जिला सचिव जिला शहडोल विनोद कुमार सिंह पर्यावरण एवं जल संग्रहण पर संगठन की अपेक्षा अनुरूप वृक्षारोपण एवं हर घर छोटे शोक पिट के निर्माण पर सभी प्रतिभागियों से कार्यवाही करने का अनुरोध किया। संभागीय सचिव हरिहर प्रताप सिंह ने आगामी दिनों में प्रांतीय इकाई द्वारा महाकाल की नगरी उज्जैन में आयोजित प्रांतीय अभ्यास वर्ग के बारे में जानकारी दी और जिले और संभाग के अपेक्षित पदाधिकारियों के शत प्रतिशत उपस्थिति की अपील की। बांधवगढ़ की टाइगर इन रिसार्ट में आयोजित इस कार्यक्रम में मध्यान्ह को सभी सहभागियों को भोजन कराया गया। इसके पश्चात द्वितीय सत्र में प्रांतीय प्रकोष्ठ प्रमुख अनिल कुमार सिंह ने शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं विशेषतया जनजाति कार्य विभाग से संबंधित समस्याओं पर प्रांत अध्यक्ष एवं प्रांतीय महामंत्री को अवगत कराया तथा संभाग की ओर से दिए गए पांच बिंदुओं पर ज्ञापन सौंपा गया। अपने उद्बोधन में प्रांतीय महामंत्री राकेश गुप्ता ने संभाग इकाई की बिंदुवार व्यवस्थित बैठक और वक्ताओं के वक्तव्य बिंदुओं पर प्रसन्नता व्यक्त की तथा संगठन की रीति नीति पर प्रतिभागियों को विस्तार से प्रशिक्षण प्रदान की। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए अरुण कुमार मिश्रा, अनिल कुमार सिंह, महेन्द्र कुमार त्रिपाठी, तीनों जिलों के जिला अध्यक्ष उनकी टीम, जिला सचिव, शहडोल विनोद कुमार सिंह और संभागीय टीम का आभार व्यक्त किया।

30 हजार की 4.12 ग्राम स्मैक के साथ आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि नयूज कोतमा।

पुलिस ने रविवार को 30 हजार रुपये की 4.12 ग्राम स्मैक के साथ आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी राहुल मांझी जबलपुर से स्मैक लेकर कोतमा बेचने आ रहा था। पुलिस ने रेलवे अंडर ब्रिज कलमुडी के पास घेराबंदी कर दबोचा। आरोपी की तलाशी के दौरान कब्जे से ब्राउन शुगर (स्मैक) को जप्त करते हुए कार्यवाही की जा रही है। थाना प्रभारी रत्नांबर शुक्ल ने बताया कि राहुल मांझी 23 वर्ष पिता भगवानदास निवासी इस्लामगंज कोतमा जो जबलपुर से ट्रेन में स्मैक लेकर कोतमा आ रहा है। और नगर में स्मैक बेचने की फिराक में हैं। पुलिस टीम को रेलवे अंडर ब्रिज के पास घेराबंदी कराई गई। लाइन किनारे आते हुए आरोपी को पकड़ते हुए तलाशी ली गई तो अंडर वियर के अंदर छिपाकर रखा स्मैक पावडर जप्त किया गया। आरोपी के खिलाफ धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज किया गया है। जांच में पता चला कि आरोपी राहुल पहले भी जबलपुर से कई बार नशे की पुड़िया लाकर कोतमा के युवाओं को बेच चुका है। पुलिस की टीम स्मैक सप्लाई करने वाले मुख्य आरोपी की तलाश में जबलपुर जाने की तैयारी में है। आरोपी से नगर में अन्य स्मैक बिक्री करने वालों की भी जानकारी जुटाई जा रही है। कार्यवाही को लेकर नशे के धंधेबाजों में हड़कंप मचा हुआ है। विदित रहे कि नगर के मीट बाजार, दफाई टोला, इस्लामगंज, पुरानी बस्ती, ऊपर टोला, लहसूई कैंप एवं गोविंदा कॉलरी में बड़े पैमाने पर स्मैक के ठीहे है जहां युवाओं की भीड़ एवं बेचौनी देखी जा सकती है। विगत दिनों प्रमुखता से कोतमा नगर मे स्मैक बिक्री की खबर प्रकाशित किया था जहां स्मैक के नशे की गिरफ्त मे युवा फंसते हुए नशे की लत मे बर्बाद हो रहे हैं।

इस्तहार आम

मै अनिल शर्मा वरिष्ठ अधिवक्ता जिला अपर सत्र न्यायालय कोतमा जिला - अनूपपुर (म.प्र.) अपने कार्याथी श्री अजीत सिंह पिता नवाब सिंह निवासी माइनस कालोनी बिजुरी वार्ड एम / 65 थाना बिजुरी तहसील कोतमा जिला-अनूपपुर (म.प्र.) के आदेशानुसार जरिये इस्तहारआम अवगत कराता हूँ कि मेरे कार्याथी एवं उनकी पत्नी श्रीमती पिंकी सिंह से उत्पन्न पुत्री संतान स्वीटी सिंह है जिसकी जन्म तिथि - 26/10/2000 है और उनका आधार कार्ड नं.-3948 6590 2672 है उक्त स्वीटी सिंह वर्ष 2020 से अपने स्वेच्छा से घर का परित्याग करके अज्ञात स्थान पर चली गई है उनकी माता पिंकी सिंह की मृत्यु 2002 में हो चुकी है और पिता से स्वीटी सिंह का कोई भी सम्पर्क नही है ।मेरे कार्याथी एस.ई.सी.एल. हसदेव क्षेत्र अंतर्गत कुरजा कॉलरी मे कार्यरत कर्मचारी है जहाँ प्रबंधन के अधीन उनका फण्ड ग्रज्युटी आदि राशि संचित है इसके अतिरिक्त उनके पुस्तैनी ग्राम लोम थाना छपरौनी, तहसील बढौद, जिला- बातपत उ.प्र. मे मकान व कृषि योग्य भूमि है मेरे कार्याथी अपने समस्त चल-अचल सम्पत्ति से अपनी पुत्री स्वीटी सिंह को बेदखल कर रहे है मेरे कार्याथी के किसी भी चल-अचल सम्पत्ति मे उत्तराधिकारी के तौर पर स्वीटी सिंह का कोई भी अधिकार नही रहेगा यदि वो भविष्य मे उत्तराधिकारी बनकर कोई दावा करे तो अमान्य माना जावे एवं स्वीटी सिंह द्वारा किये गये किसी भी कार्य के प्रति मेरा कार्याथी उत्तर दायी नही होगा।

आज सार्वजनिक इस्तहार आम मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से अपने कार्याथी के आदेशानुसार जारी किया गया है।

एड.अनिल शर्मा
वरिष्ठ अधिवक्ता
जिला अपर सत्र न्यायालय
कोतमा
जिला - अनूपपुर (म.प्र.)